

# Sandhya Kulkarni

1



जन्मतिथी:	8 April 2019 Monday
जन्म वेळ:	16:30 PM
जन्म स्थळ:	Pune, India
Latitude:	18.34N Longitude: 73.58E
अयनांश:	एन सी लाहिरी 24:7:32
स्थानिक वेळ:	15:55:52
साम्पातिक काळ:	5:1:31
स्थानिक वेळ संस्कार:	-34:8
तिर्यक:	23.4

## अवकहड़ा चक्र

### लग्न

लग्नपती

### राशी

राशी स्वामी

### नक्षत्र

नक्षत्र स्वामी

चरण

तिथी

पाया

सूर्य सिद्धांत योग

करण

वर्ण

तत्व

वश्य

योनी

गण

नाडी

नाडी पद

विहग

प्रथम अक्षर

सूर्य राशी

डेकानेट

### सिंह

रवी

### वृषभ

शुक्र

### कृतिका

रवी

2

चतुर्थी शुक्ल

तांबा

प्रीती

वनिज

शूद्र

पृथ्वी

चतुष्पद

मेष(स्त्री.)

राक्षस

अंत

अंत

वायस

अ, इ, उ, ए

मेष

2

## घात चक्र

राशी

मास

तिथी

दिवस

नक्षत्र

प्रहर

लग्न

योग

करण

धनू

मार्गशीर्ष

5,10,15

शनिवार

हस्त

4

वृषभ

सुकर्मन

शकृनि

## शुभ अशुभ विचार

सौभाग्य अंक

8

शुभांक

1, 7, 9

अशुभ अंक

2, 8

शुभ वर्ष

17,26,35,44,53

शुभ दिन

मंगळवार, रवीवार, गुरुवार

शुभ ग्रह

मंगळ, रवी, गुरु

अशुभ ग्रह

बुध, शनी

मित्र राशी

मेष वृश्चिक धनू

शुभ लग्न

वृश्चिक, कुंभ, मेष, मिथुन

शुभ धातू

तांबा

### शुभ रत्न

### माणिक

शुभ वेळ

सूर्योदय

### शुभ दिशा

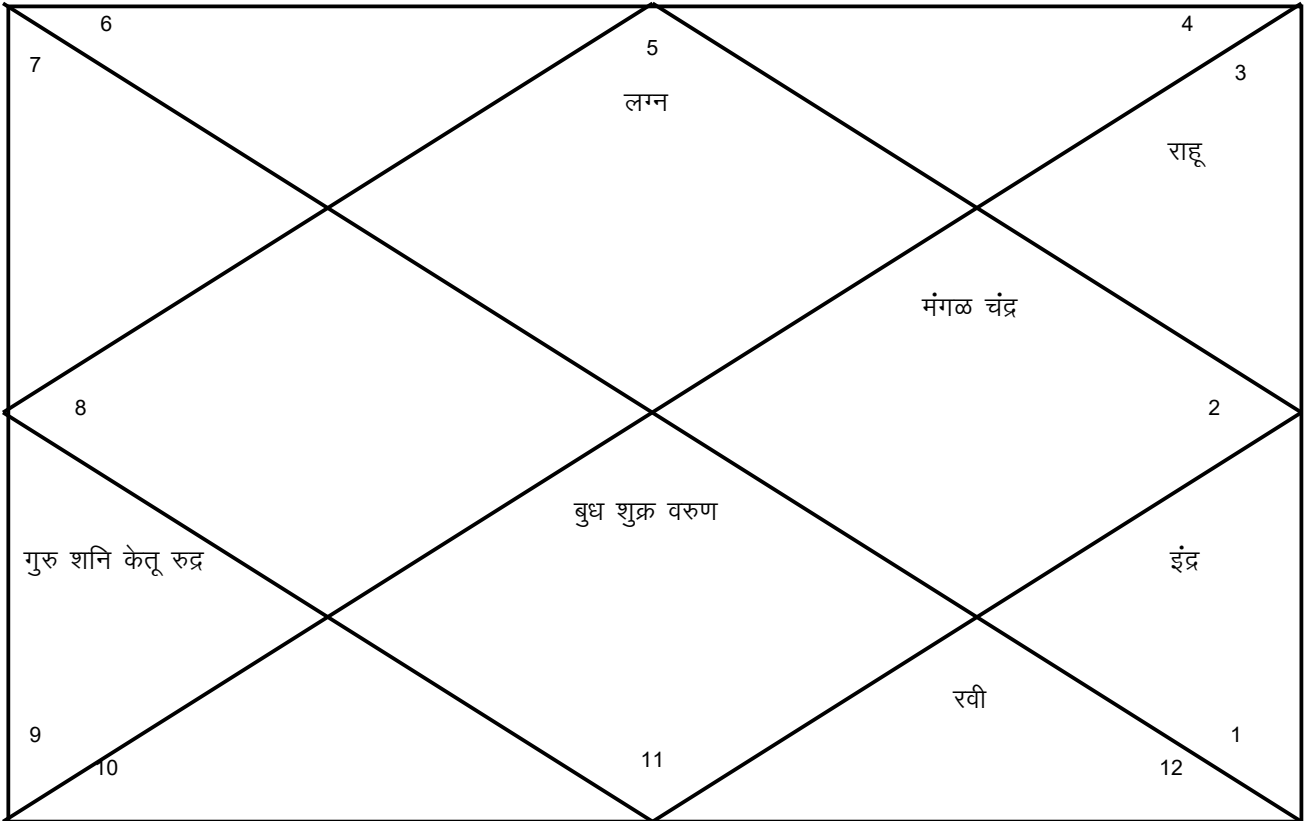
### पूर्व



## जन्माच्या वेळी ग्रहाची स्थिती

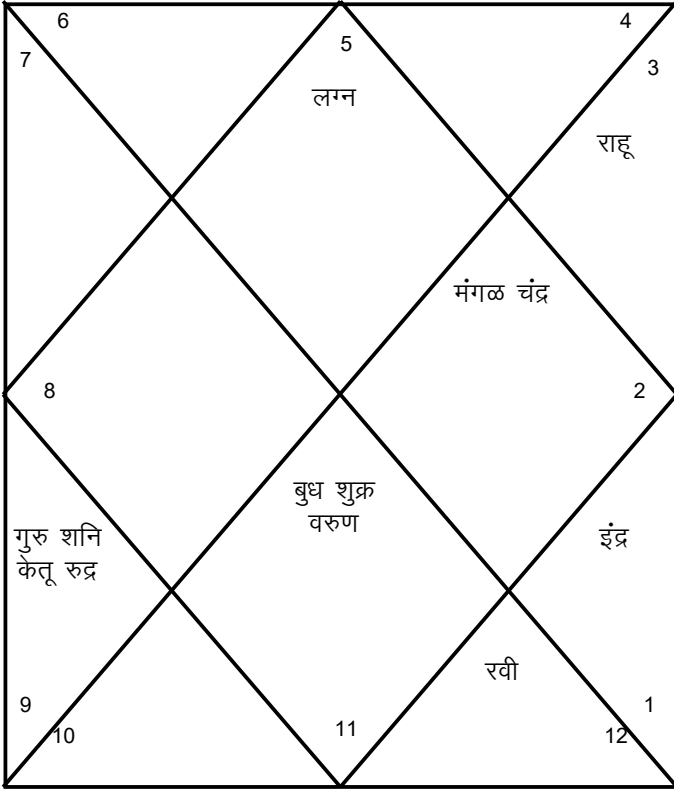
ग्रह	राशी	डिग्री	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	पद	दिशा	स्थिती
लग्न	सिंह	21:59:39	पूर्वा	शुक्र	3		---
रवी	मीन	24:12:07	रेवती	बुध	3	मार्गी	---
बुध	कुंभ	26:49:04	पूर्व भाद्रपद	गुरु	3	मार्गी	---
शुक्र	कुंभ	21:06:16	पूर्व भाद्रपद	गुरु	1	मार्गी	---
मंगळ	वृषभ	11:17:30	रोहिणी	चंद्र	1	मार्गी	---
गुरु	धनू	00:13:00	मूळ	केतू	1	मार्गी	मूलत्रिकोण
शनी	धनू	26:00:50	पूर्वाषाढ	शुक्र	4	मार्गी	---
चंद्र	वृषभ	00:18:36	कृत्तिका	रवी	2	मार्गी	तुंगस्थ
राहू	मिथुन	28:16:51	पुनर्वसू	गुरु	3	वक्री	---
केतू	धनू	28:16:51	उत्तराषाढ	रवी	1	वक्री	---
इंद्र	मेष	07:34:30	अश्विनी	केतू	3	मार्गी	---
वरुण	कुंभ	23:13:12	पूर्व भाद्रपद	गुरु	1	मार्गी	---
रुद्र	धनू	28:57:39	उत्तराषाढ	रवी	1	मार्गी	---

## लग्न कुंडली

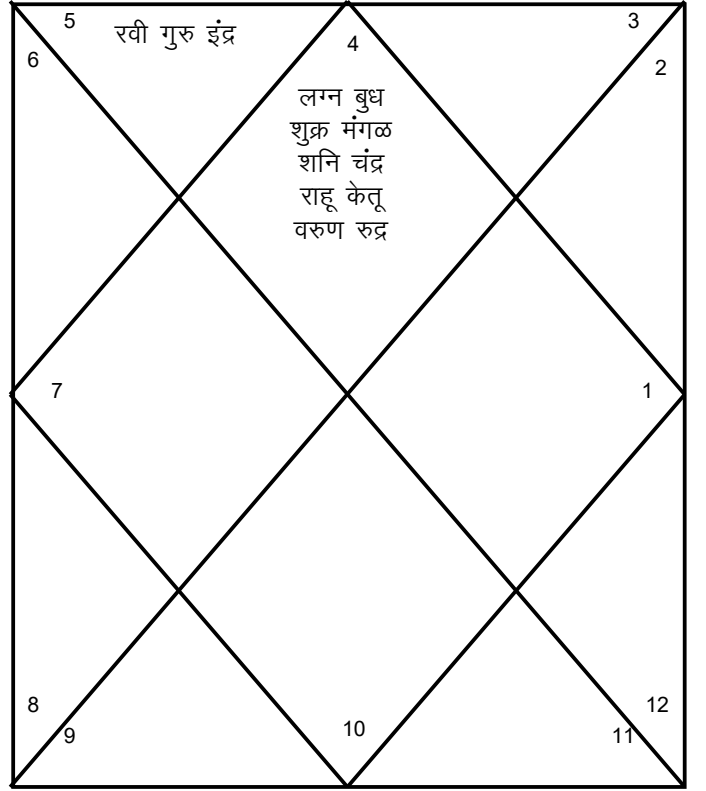




लग्न



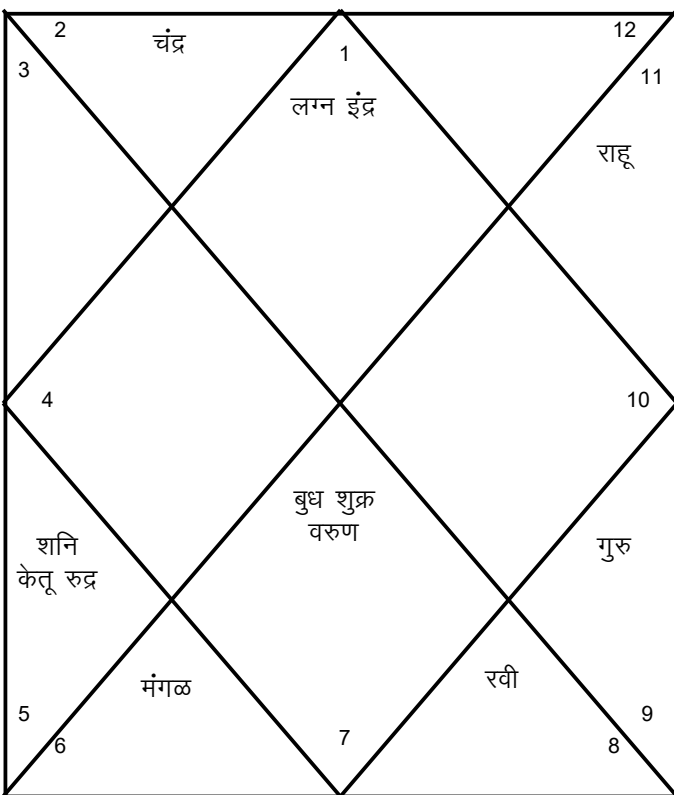
होरा



धन

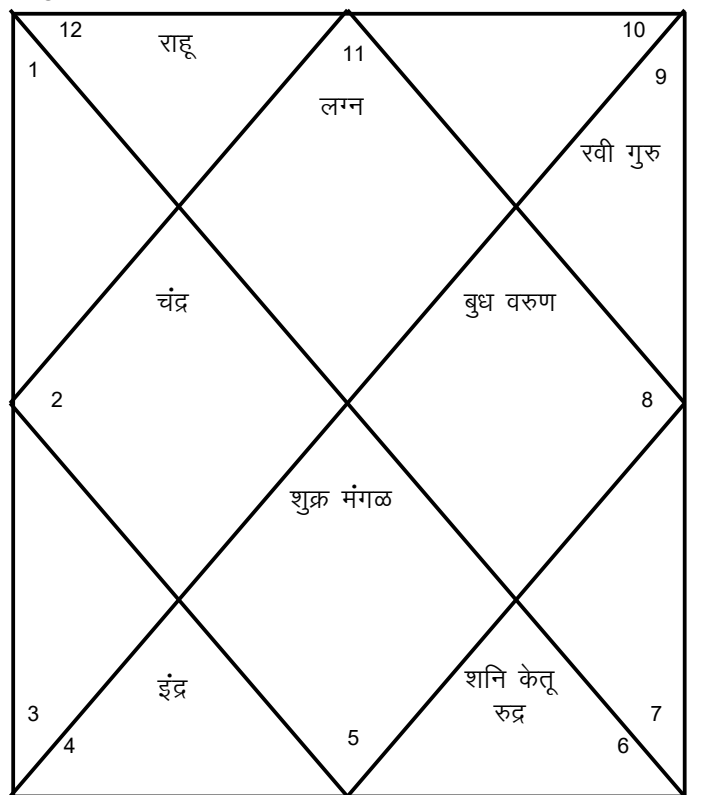
द्रेक्कान

सहोदर



चतुर्थांश

भाग्य



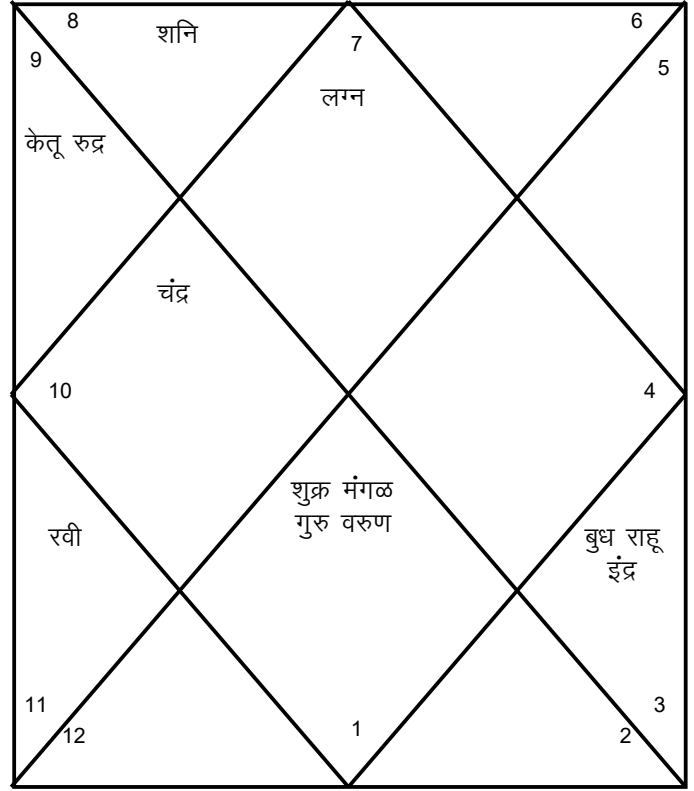
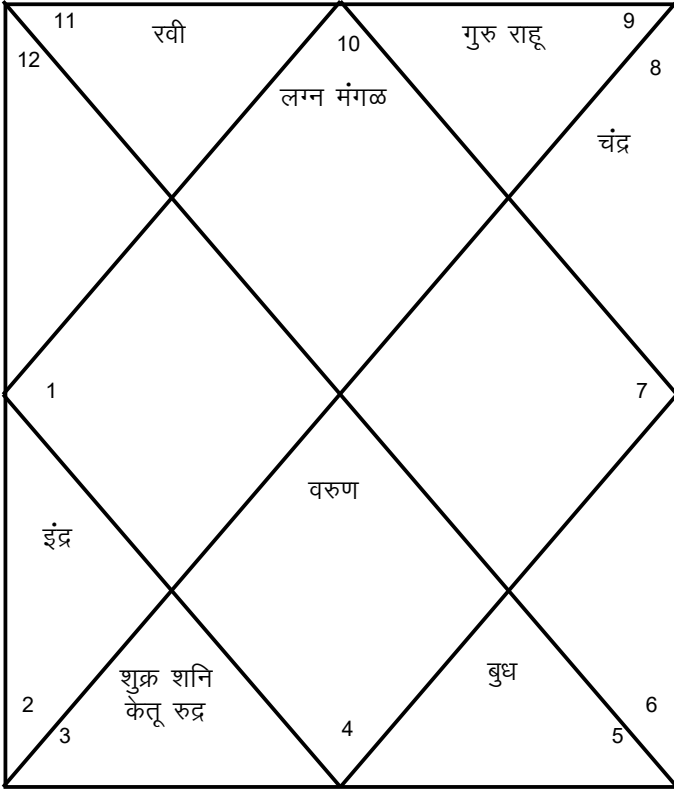


सप्तमांश

संतति

नवमांश

जीवनसाथी

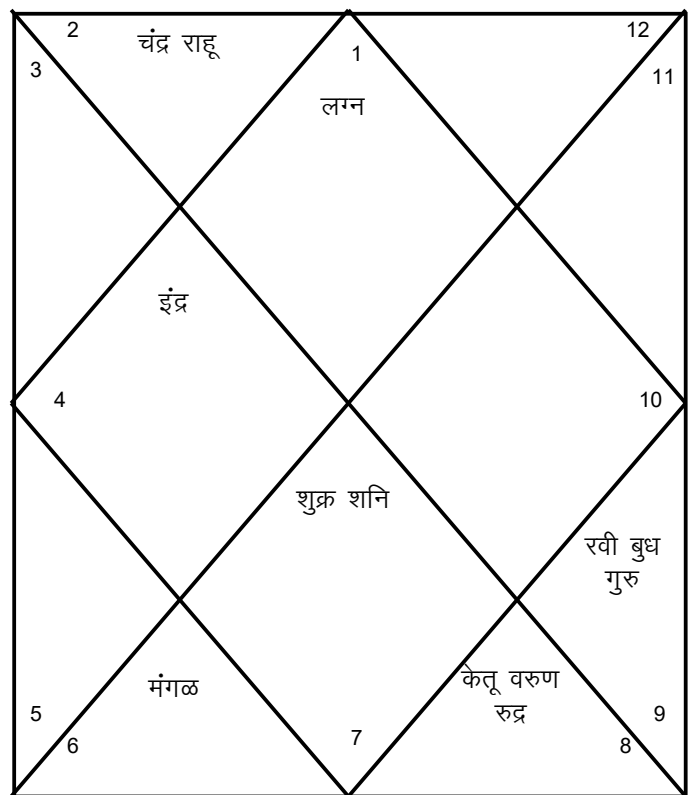
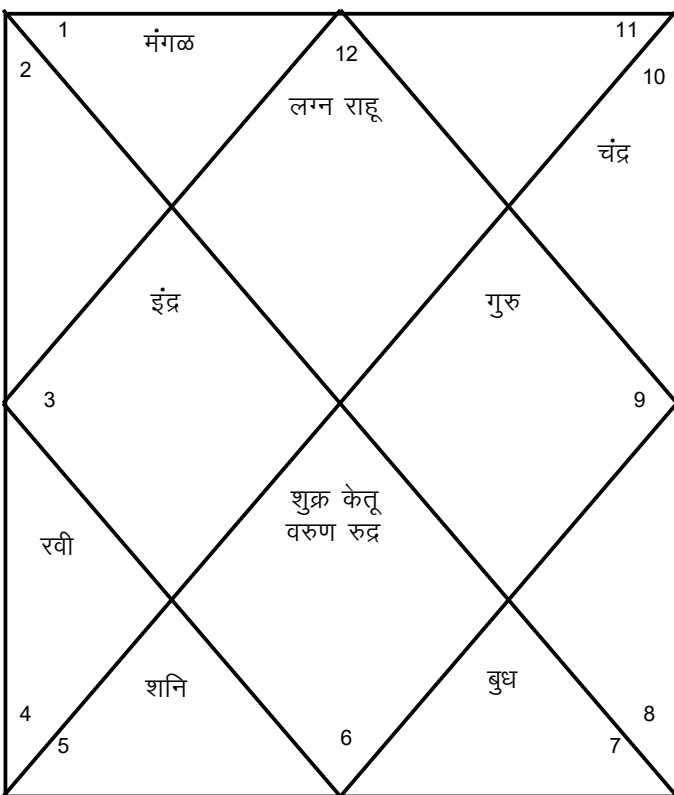


दशमांश

जीविका

द्वादशांश

आई व वडील



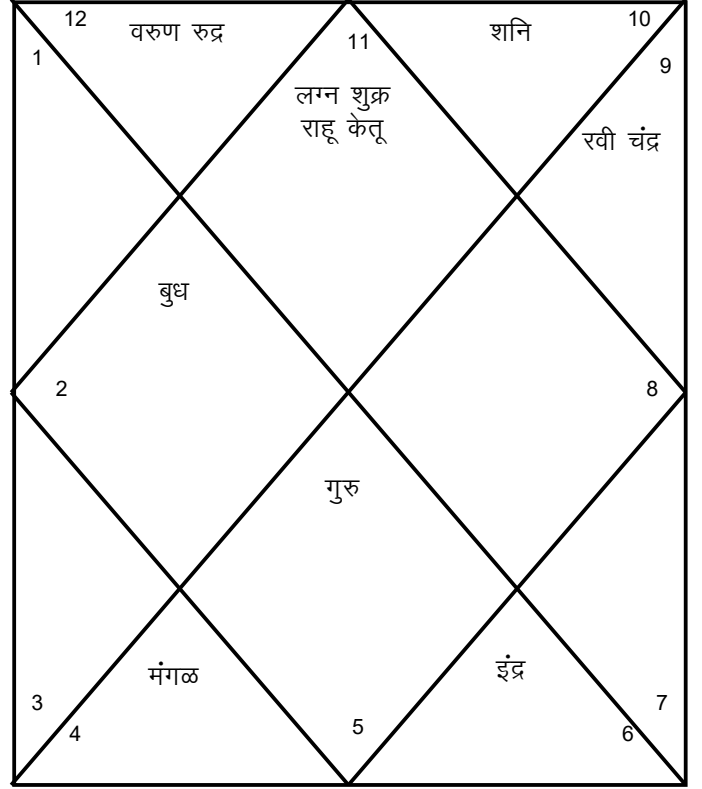
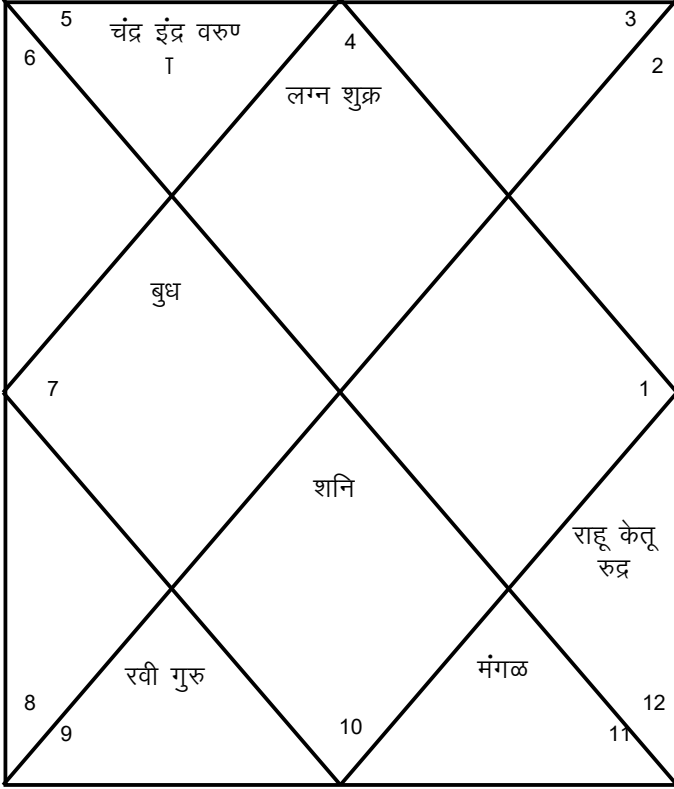


षोडशांश

वाहन

विंशांश

धार्मिक प्रवृत्ती

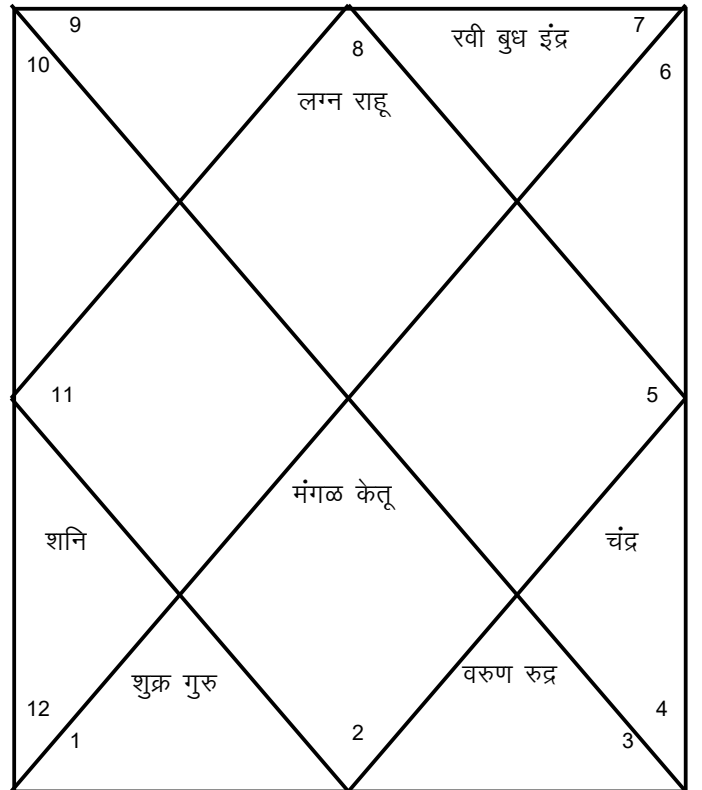
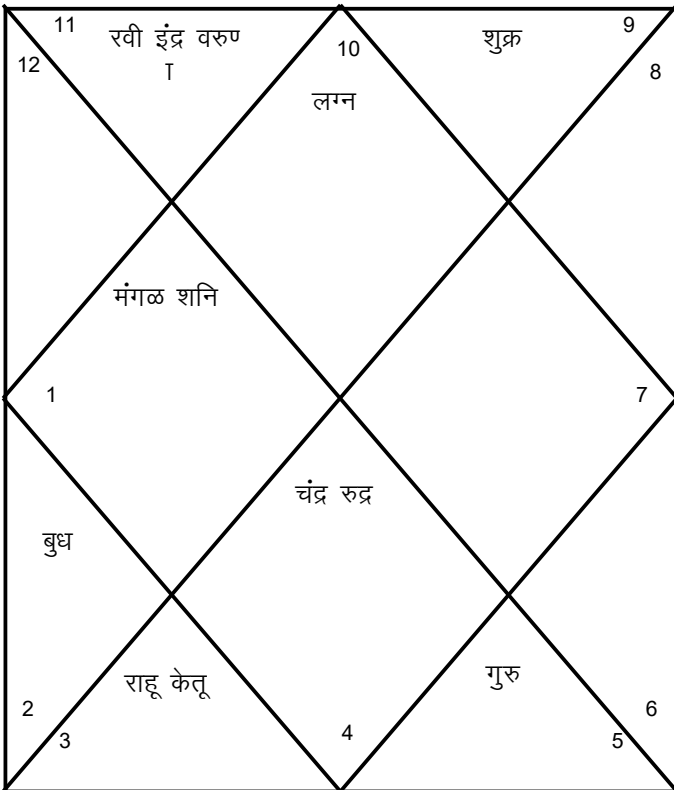


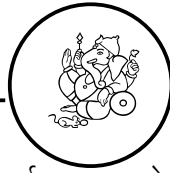
चतुर्विंशांश

शिक्षा

सप्तविंशांश

बळ



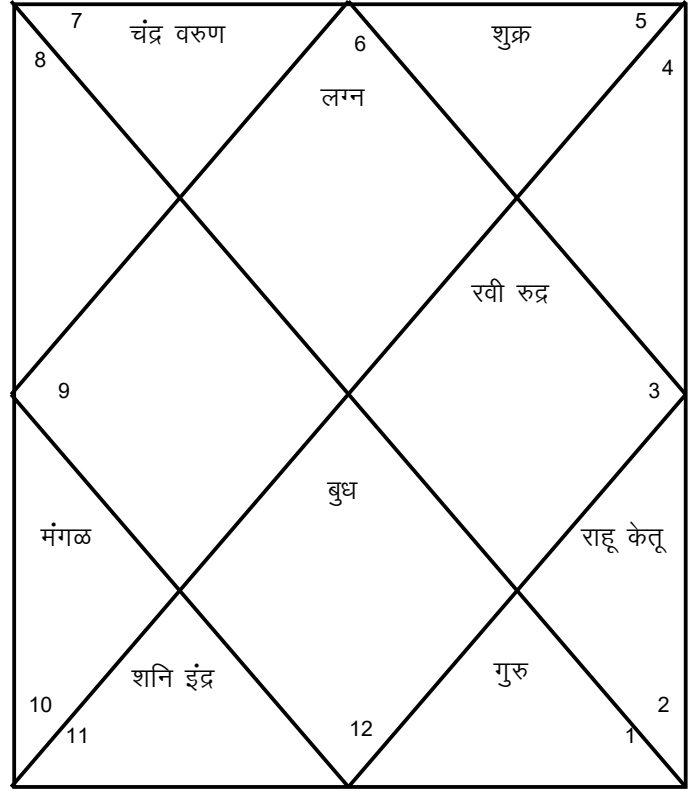
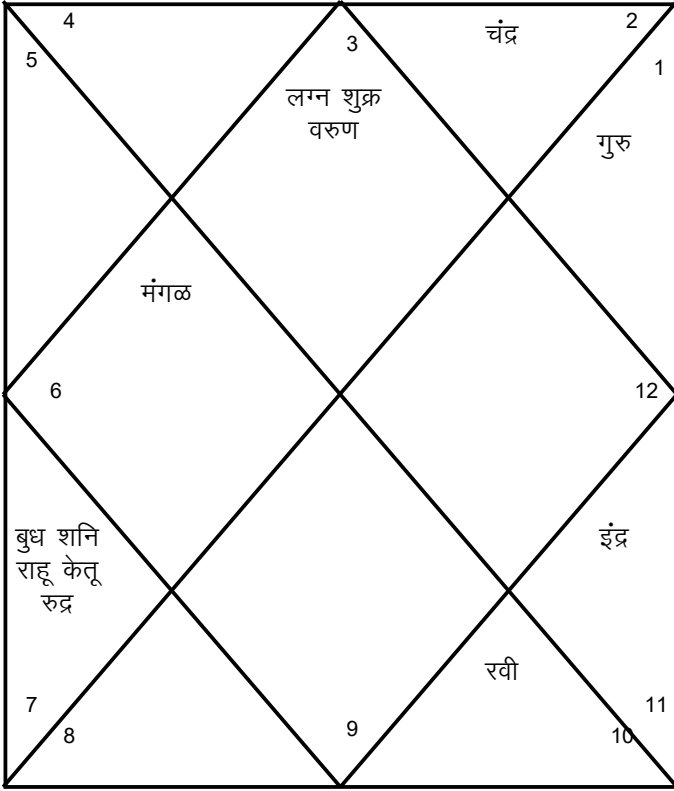


त्रिंशंश

दुर्भाग्य

खवेदांश

शुभ फळ

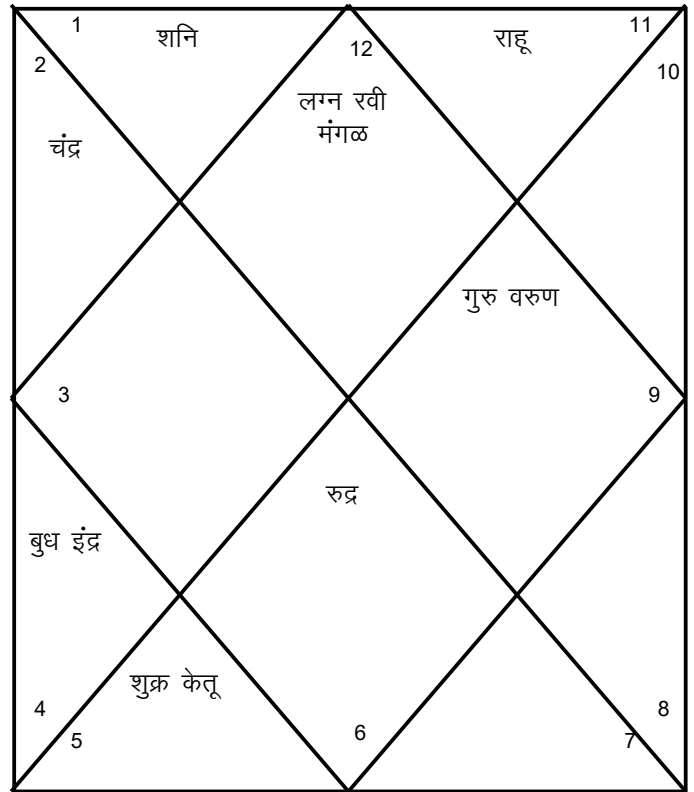
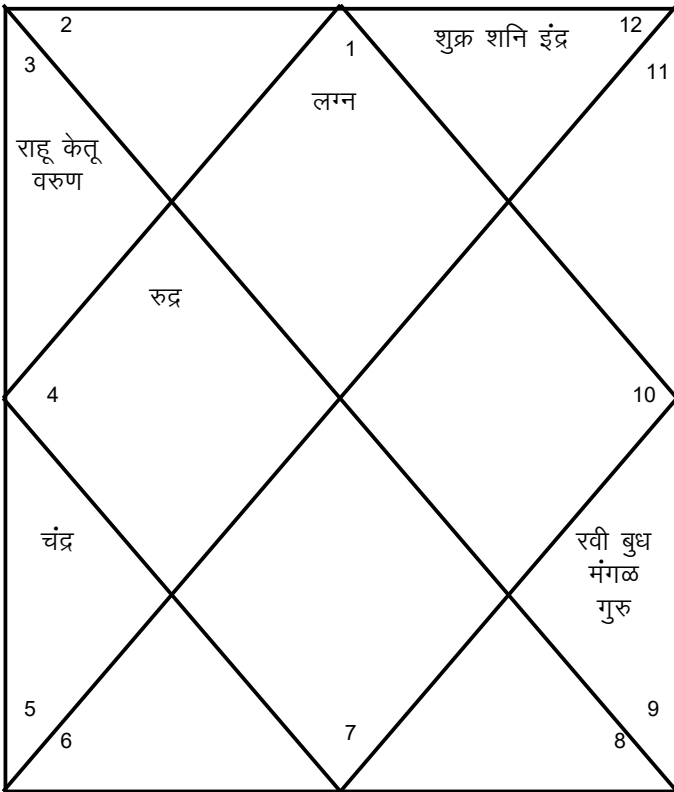


अक्षवेदांश

कुशल

षष्टि अंश

कुशल

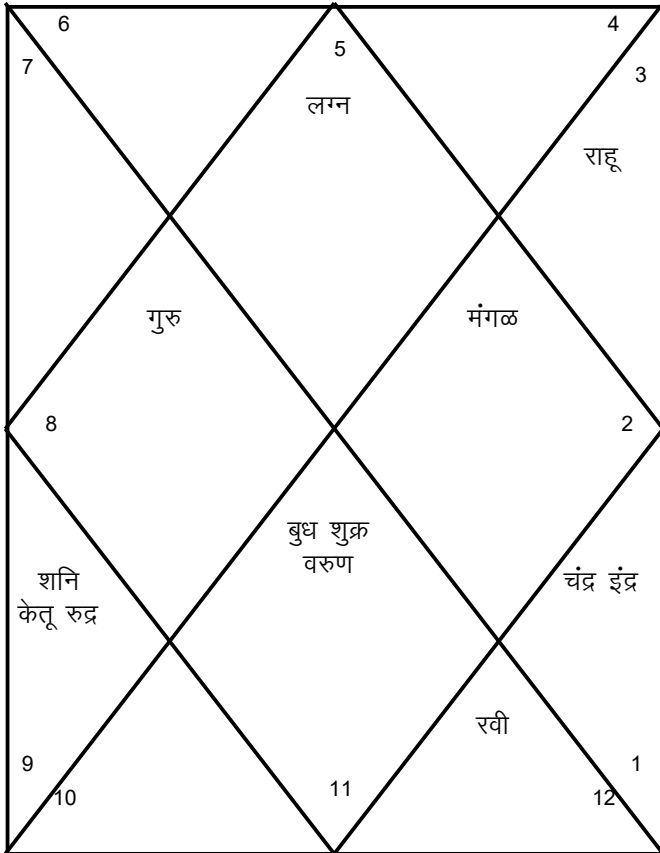




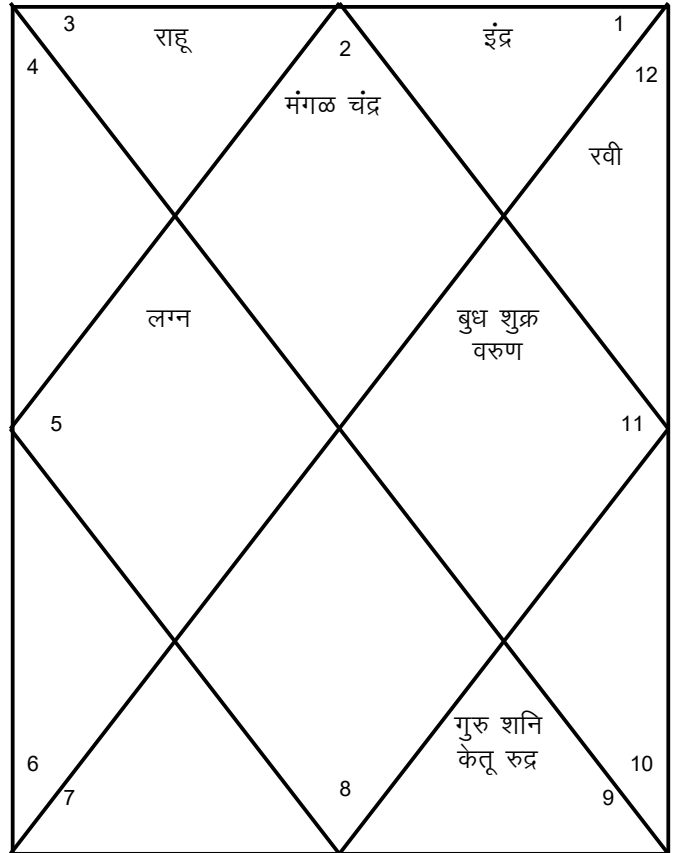
## भाव

भाव	भाव आरंभ	भाव मध्य
1	सिंह 07:03:51	सिंह 21:59:39
2	कन्या 07:03:51	कन्या 22:08:04
3	तूळ 07:12:17	तूळ 22:16:30
4	वृश्चिक 07:20:43	वृश्चिक 22:24:55
5	धनू 07:20:43	धनू 22:16:30
6	मकर 07:12:17	मकर 22:08:04
7	कुंभ 07:03:51	कुंभ 21:59:39
8	मीन 07:03:51	मीन 22:08:04
9	मेष 07:12:17	मेष 22:16:30
10	वृषभ 07:20:43	वृषभ 22:24:55
11	मिथुन 07:20:43	मिथुन 22:16:30
12	कर्क 07:12:17	कर्क 22:08:04

## भाव चलित चक्र



## चंद्र कुंडली





## सूर्य सम्बन्धित उपग्रह

उपग्रह	स्वामी	राशी	डिग्री	नक्षत्र	चरण
धूम	मंगळ	सिंह	07:32:07	माघ	3
व्यातिपात	राहू	वृश्चिक	22:27:53	ज्येष्ठा	2
परिवेश	चंद्र	वृषभ	22:27:53	रोहिणी	4
इंद्रचाप	शुक्र	कुंभ	07:32:07	शततारका	1
उपकेतू	केतू	कुंभ	24:12:07	पूर्व भाद्रपद	2
भूकंप		मिथुन	14:12:07	अद्र	3
उल्का		कर्क	24:12:07	अश्लेष	3
ब्रह्मदंड		तूळ	00:52:07	चित्रा	3
ध्वजा		धनू	20:52:07	पूर्वाषाढ	3

## वार आधारित उपग्रह (पाराशर)

उपग्रह	राशी	डिग्री	स्वामी	नक्षत्र	चरण
काळबेला	सिंह	10:12:51	रवी	माघ	4
परिधि	मीन	23:33:50	गुरु	रेवती	3
मृत्यू	मेष	21:02:07	मंगळ	भरणी	3
अर्धप्रहर	वृषभ	15:38:13	शुक्र	रोहिणी	2
यमकन्टक	मिथुन	07:30:12	बुध	अद्र	1
कोदंड	मिथुन	28:11:44	बुध	पुनर्वसू	3
गुलिका	कर्क	19:02:12	चंद्र	अश्लेष	1
मंडी	सिंह	07:24:47	रवी	माघ	3

## वार आधारित उपग्रह (कालीदास)

उपग्रह	राशी	डिग्री	स्वामी	नक्षत्र	चरण
काळबेला	मीन	23:33:50	गुरु	रेवती	3
परिधि	मेष	21:02:07	मंगळ	भरणी	3
मृत्यू	वृषभ	15:38:13	शुक्र	रोहिणी	2
अर्धप्रहर	मिथुन	07:30:12	बुध	अद्र	1
यमकन्टक	मिथुन	28:11:44	बुध	पुनर्वसू	3
कोदंड	कर्क	19:02:12	चंद्र	अश्लेष	1
गुलिका	सिंह	10:12:51	रवी	माघ	4
मंडी	सिंह	07:24:47	रवी	माघ	3





## भिन्नाष्टक वर्ग

शनी													गुरु												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	○	○	-	-	-	-	○	-	-	-	○	-	शनि	○	○	-	-	-	-	○	-	-	○	-	
गुरु	○	○	-	-	-	-	○	○	-	-	-	-	गुरु	-	-	○	○	-	○	○	-	○	○	○	○
मंगळ	○	-	-	○	-	○	○	-	-	-	○	○	मंगळ	-	○	○	-	○	-	-	○	○	-	○	○
रवी	○	-	○	-	-	○	○	-	○	○	-	○	रवी	○	○	○	-	-	○	○	○	○	○	-	○
शुक्र	-	-	-	○	-	-	-	-	○	○	-	-	शुक्र	-	-	○	○	-	-	○	○	○	-	-	○
बुध	-	-	-	○	-	○	○	○	○	○	-	-	बुध	-	○	○	○	-	-	○	○	○	-	○	○
चंद्र	-	-	-	○	-	-	○	-	-	-	-	○	चंद्र	-	-	○	-	-	○	-	○	-	○	-	○
लग्न	-	○	○	-	○	-	○	○	-	○	-	-	लग्न	○	○	○	-	○	○	-	○	○	○	○	-
कूळ	4	3	2	4	1	3	7	3	3	4	2	3	कूळ	3	5	7	3	2	4	4	7	6	4	5	6

मंगळ													रवी												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	-	-	○	○	○	○	○	-	○	-	-	○	शनि	-	-	○	○	○	○	○	-	○	○	-	○
गुरु	-	○	-	-	-	○	○	○	-	-	-	-	गुरु	○	○	-	-	○	-	○	-	-	-	-	-
मंगळ	-	○	○	-	○	-	-	○	○	-	○	○	मंगळ	-	○	○	-	○	-	-	○	○	○	○	○
रवी	-	○	-	○	○	-	-	-	○	○	-	-	रवी	○	-	○	-	-	○	○	○	○	○	-	○
शुक्र	-	-	-	○	-	○	-	-	○	○	-	-	शुक्र	-	-	-	○	○	-	-	-	-	○	-	-
बुध	○	-	○	○	-	-	-	-	○	-	-	-	बुध	○	-	○	○	-	-	○	○	○	○	-	-
चंद्र	-	-	-	○	-	-	○	-	-	-	-	○	चंद्र	-	-	-	○	-	-	○	-	-	-	○	○
लग्न	-	○	○	-	○	-	○	-	-	○	-	-	लग्न	-	○	○	○	-	-	○	○	-	○	-	-
कूळ	1	4	4	5	4	3	4	2	5	3	1	3	कूळ	3	3	5	5	4	2	6	4	4	6	2	4



## भिन्नाष्टक वर्ग

शुक्र													बुध												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	0	-	-	0	0	0	0	-	-	-	0	0	शनि	-	-	0	0	0	0	-	0	0	-	0	
गुरु	0	-	-	0	0	0	0	-	-	-	-	-	गुरु	-	0	-	0	-	-	0	0	-	-	-	-
मंगळ	0	-	-	0	-	0	0	-	-	0	-	0	मंगळ	-	0	0	-	0	-	-	0	0	0	0	0
रवी	-	-	-	-	-	-	0	-	-	0	0	-	रवी	-	-	-	0	0	-	-	0	-	0	0	-
शुक्र	0	0	0	-	-	0	0	0	0	-	0	0	शुक्र	0	0	0	-	-	0	0	-	0	-	0	0
बुध	0	-	0	0	-	-	0	-	0	-	-	-	बुध	0	-	0	0	-	-	0	0	0	0	0	-
चंद्र	0	0	0	0	0	0	-	-	0	0	-	0	चंद्र	-	-	0	-	0	-	0	-	0	-	0	0
लग्न	0	-	0	-	0	0	0	0	0	-	-	0	लग्न	-	0	0	-	0	0	-	0	-	0	-	0
कूळ	7	2	4	5	4	6	7	2	4	3	3	5	कूळ	2	4	6	4	5	3	5	5	5	5	5	5

चंद्र													लग्न												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	0	0	-	-	-	-	0	-	-	-	0	-	शनि	-	0	-	-	-	0	0	-	0	-	0	0
गुरु	-	-	0	0	-	0	0	0	0	-	-	0	गुरु	0	0	0	-	0	0	0	-	0	0	-	0
मंगळ	-	-	0	0	-	0	0	-	-	0	0	0	मंगळ	-	0	-	0	-	-	0	-	-	-	0	0
रवी	-	0	-	-	0	0	0	-	0	0	-	-	रवी	-	0	0	-	0	-	-	-	0	0	0	-
शुक्र	0	0	0	-	0	-	0	0	0	-	-	-	शुक्र	0	0	0	-	-	0	0	-	-	-	0	0
बुध	0	0	0	-	0	0	-	0	0	-	0	-	बुध	-	0	-	0	-	0	-	0	0	-	0	0
चंद्र	-	0	-	0	-	-	0	0	-	-	0	0	चंद्र	0	-	-	0	-	-	0	-	-	-	0	0
लग्न	-	0	0	-	-	-	0	-	-	0	-	-	लग्न	-	0	0	-	-	-	0	-	-	0	-	-
कूळ	3	6	5	3	3	4	7	4	4	3	4	3	कूळ	3	7	4	3	2	4	6	1	4	3	6	6



## अष्टकवर्ग (शोधनपूर्व)

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	कूळ
रवी	3	3	5	5	4	2	6	4	4	6	2	4	<b>48</b>
चंद्र	3	6	5	3	3	4	7	4	4	3	4	3	<b>49</b>
मंगळ	1	4	4	5	4	3	4	2	5	3	1	3	<b>39</b>
बुध	2	4	6	4	5	3	5	5	5	5	5	5	<b>54</b>
गुरु	3	5	7	3	2	4	4	7	6	4	5	6	<b>56</b>
शुक्र	7	2	4	5	4	6	7	2	4	3	3	5	<b>52</b>
शनी	4	3	2	4	1	3	7	3	3	4	2	3	<b>39</b>
<b>कूळ</b>	<b>23</b>	<b>27</b>	<b>33</b>	<b>29</b>	<b>23</b>	<b>25</b>	<b>40</b>	<b>27</b>	<b>31</b>	<b>28</b>	<b>22</b>	<b>29</b>	<b>337</b>
राहू	4	4	2	6	2	5	3	4	5	3	3	3	<b>44</b>
लग्न	3	7	4	3	2	4	6	1	4	3	6	6	<b>49</b>

## त्रिकोण शोधनच्या पश्चात

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
रवी	0	1	3	1	1	0	4	0	1	4	0	0
चंद्र	0	3	1	0	0	1	3	1	1	0	0	0
मंगळ	0	1	3	3	3	0	3	0	4	0	0	1
बुध	0	1	1	0	3	0	0	1	3	2	0	1
गुरु	1	1	3	0	0	0	0	4	4	0	1	3
शुक्र	3	0	1	3	0	4	4	0	0	1	0	3
शनी	3	0	0	1	0	0	5	0	2	1	0	0

## एकाधिपत्य शोधनच्या पश्चात

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
रवी	0	1	3	1	1	0	3	0	1	4	0	0
चंद्र	0	3	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0
मंगळ	0	1	3	3	3	0	2	0	4	0	0	1
बुध	0	1	1	0	3	0	0	1	3	2	0	1
गुरु	0	1	3	0	0	0	0	3	4	0	1	3
शुक्र	3	0	0	3	0	3	4	0	0	1	0	3
शनी	3	0	0	1	0	0	5	0	2	1	0	0

## शोध्य पिन्ड

पिंड	रवी	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह	28	54	78	63	100	15	30
राशी	98	47	138	105	141	117	83
शोध्य	<b>126</b>	<b>101</b>	<b>216</b>	<b>168</b>	<b>241</b>	<b>132</b>	<b>113</b>



## नैसर्गिक

	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनि	चंद्र	राहू	केतू
रवी	-----	सम	शत्रू	मित्र	मित्र	शत्रू	मित्र	शत्रू	शत्रू
बुध	मित्र	-----	मित्र	सम	सम	सम	शत्रू	सम	सम
शुक्र	शत्रू	मित्र	-----	सम	सम	मित्र	शत्रू	मित्र	मित्र
मंगळ	मित्र	शत्रू	सम	-----	मित्र	सम	मित्र	शत्रू	मित्र
गुरु	मित्र	शत्रू	शत्रू	मित्र	-----	सम	मित्र	मित्र	सम
शनि	शत्रू	मित्र	मित्र	शत्रू	सम	-----	शत्रू	मित्र	शत्रू
चंद्र	मित्र	मित्र	सम	सम	सम	सम	-----	शत्रू	शत्रू
राहू	शत्रू	सम	मित्र	शत्रू	मित्र	मित्र	शत्रू	-----	शत्रू
केतू	शत्रू	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रू	शत्रू	शत्रू	-----

## तात्कालिक

	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनि	चंद्र	राहू	केतू
रवी	-----	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
बुध	मित्र	-----	शत्रू	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रू	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रू	-----	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रू	मित्र
मंगळ	मित्र	मित्र	मित्र	-----	शत्रू	शत्रू	शत्रू	मित्र	शत्रू
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रू	-----	शत्रू	शत्रू	शत्रू	शत्रू
शनि	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रू	शत्रू	-----	शत्रू	शत्रू	शत्रू
चंद्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रू	शत्रू	शत्रू	-----	मित्र	शत्रू
राहू	मित्र	शत्रू	शत्रू	मित्र	शत्रू	शत्रू	मित्र	-----	शत्रू
केतू	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रू	शत्रू	शत्रू	शत्रू	शत्रू	-----

## पंचधा

	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनि	चंद्र	राहू	केतू
रवी	-----	मित्र	सम	परममित्र	परममित्र	सम	परममित्र	सम	सम
बुध	परममित्र	-----	सम	मित्र	मित्र	मित्र	सम	शत्रू	मित्र
शुक्र	सम	सम	-----	मित्र	मित्र	परममित्र	सम	सम	परममित्र
मंगळ	परममित्र	सम	मित्र	-----	सम	शत्रू	सम	सम	सम
गुरु	परममित्र	सम	सम	सम	-----	शत्रू	सम	सम	शत्रू
शनि	सम	परममित्र	परममित्र	परमशत्रू	शत्रू	-----	परमशत्रू	सम	परमशत्रू
चंद्र	परममित्र	परममित्र	मित्र	शत्रू	शत्रू	शत्रू	-----	सम	परमशत्रू
राहू	सम	शत्रू	सम	सम	सम	सम	सम	-----	परमशत्रू
केतू	सम	मित्र	परममित्र	सम	शत्रू	परमशत्रू	परमशत्रू	परमशत्रू	-----



## सुदर्शन चक्र

02/14/26/38/50/62/74/86/98/110 01/13/25/37/49/61/73/85/97/109 12/24/36/48/60/72/84/96/108/120

6	लग्न		5	4
7	3 राहू	मंगळ चंद्र	2	इंद्र
	4	1 इंद्र	12	राहू
		2 मंगळ चंद्र	रवी	12
			बुध शुक्र वरुण	11
8	5 लग्न	3 राहू	गुरु शनि केतू रुद्र	
			9	11 बुध शुक्र वरुण
			2 मंगळ चंद्र	
			इंद्र	
		4 लग्न	8	
		5	6	7
			गुरु शनि केतू रुद्र	
			10	9
9	बुध शुक्र वरुण		रवी	1
	10	11	12	
	06/18/30/42/54/66/78/90/102		07/19/31/43/55/67/79/91/103	
			08/20/32/44/56/68/92/104	

सुदर्शन चक्र मध्ये मुणुष्याचे भविष्य लग्नाच्या व्यतिरिक्त सूर्य व चंद्रानेपण पारखली जाते. ह्याच्या अनुसार ए काच दृष्टीने लग्न, सूर्य आणि चंद्राने ग्रहांची स्थिती प्राप्त करू शकते.

शुभ अशुभ घटना व त्यांचा खरा वेळ सुदर्शन चक्राद्वारे प्राप्त करू शकतो.



## कारक ग्रह

	स्थिर कारक	सप्तकारक	अष्टकारक
रवी	पिता	भ्रातृ	भ्रातृ
बुध	बुद्धी	आत्म	आत्म
शुक्र	जीवनसाथी	मातृ	मातृ
मंगळ	विक्रम	पुत्र	पितृ
गुरु	धनसंपदा	कलत्र	कलत्र
शनि	परमायू	आमात्य	अमात्य
चंद्र	माता	ज्ञाति	ज्ञाती
राहू	अभिलाषा	-----	पुत्र
केतू	मोक्ष	-----	-----

## ग्रहस्थिती

	अवस्था 3	अवस्था 5	अवस्था 6	अवस्था 9	अवस्था 10	अवस्था 12
रवी	स्वप्न	बाळ	मुदित	शांत	हर्षित	उपवेशन
बुध	स्वप्न	मृत	-----	दीन	खल	शयन
शुक्र	स्वप्न	वृद्ध	मुदित	शांत	हर्षित	सभास्थ
मंगळ	स्वप्न	वृद्ध	-----	दीन	शांत	प्रकाशन
गुरु	जाग्रत	बाळ	लज्जित	निरोगी	स्वस्थ	नृत्यलिप्सा
शनि	स्वप्न	मृत	मुदित	दीन	शांत	नेत्रपानी
चंद्र	जाग्रत	मृत	गर्वित	शोभीत	दीप्त	नृत्यलिप्सा
राहू	स्वप्न	मृत	क्षुदित	दीन	शांत	गमन
केतू	स्वप्न	मृत	मुदित	दीन	शांत	आगम

## नव तारा चक्र

जन्म	संपत्त	विपत्त	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	परममित्र
03	04	05	06	07	08	09	10	11
12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	01	02



### ग्रहसंयोग अथवा दृष्टी

ग्रह	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनि	चंद्र	राहू	केतू	इंद्र	वरुण	रुद्र
लग्न	212 QNC	185	179 OPP	101	98	124	112	54	126	134 SQQ	181 OPP	127
रवी		27 SSX	33 SSX	313 SSQ	114	88 SQU	324	266	86	347	31 SSX	85
बुध			6	286 QNT	87	61 SXT	297	239 TRN	59 SXT	319	4	58 SXT
शुक्र				280	81	55	291 QNT	233	53	314 SSQ	2 CNJ	52
मंगळ					199	225 SQQ	11	47 SSQ	227 SQQ	34	282	228 SQQ
गुरु						26	210 QNC	152 QNC	28 SSX	233	83	29 SSX
शनि							236	178 OPP	2 CNJ	258	57 SXT	3 CNJ
चंद्र								58 SXT	238 TRN	23	293	239 TRN
राहू									180 OPP	81	235	181 OPP
केतू										261	55	1 CNJ
इंद्र											316 SSQ	261
वरुण												54

### Index of Words:

CNJ: Conjunction	TRN: Trine	SSQ: Semi Square	QNT: Quintile
OPP: Opposition	SXT: Sextile	QNC: Quincunx	BQT: Bi Quintile
SQU: Square	SQQ: Sesquiquadrate	SSX: Semi Sextile	

ग्रह दृष्टीच्या विचारासाठी 3 डिग्री 20 मिनिटचा प्रभाव क्षेत्र घेतला आहे.

### पाराशरी दृष्टी

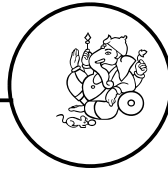
ग्रह	द्वारा दृष्ट	ग्रह	द्वारा दृष्ट
रवी	---	शुक्र	शनि
चंद्र	---	शनि	मंगळ राहू
मंगळ	---	राहू	गुरु शनि केतू
बुध	शनि	केतू	मंगळ राहू
गुरु	मंगळ राहू	लग्न	बुध शुक्र मंगळ गुरु



## शनी साडे साती

शनी साडे साती	राशी	प्रवेश	निर्गम	मूर्ती
अष्टमाशनि	धनू	27-01-2017	20-06-2017	रजत
अष्टमाशनि	धनू	27-10-2017	23-01-2020	स्वर्ण
साडेसाती	मेष	03-06-2027	19-10-2027	लोह
साडेसाती	मेष	24-02-2028	07-08-2029	स्वर्ण
साडेसाती	मेष	06-10-2029	16-04-2030	लोह
जन्मशनी	वृषभ	08-08-2029	05-10-2029	तांबा
जन्मशनी	वृषभ	17-04-2030	30-05-2032	तांबा
साडेसाती	मिथुन	31-05-2032	12-07-2034	तांबा
कंटकशनी	सिंह	28-08-2036	22-10-2038	तांबा
कंटकशनी	सिंह	06-04-2039	12-07-2039	तांबा
अष्टमाशनि	धनू	08-12-2046	06-03-2049	स्वर्ण
अष्टमाशनि	धनू	10-07-2049	03-12-2049	लोह
साडेसाती	मेष	07-04-2057	27-05-2059	स्वर्ण
जन्मशनी	वृषभ	28-05-2059	10-07-2061	तांबा
जन्मशनी	वृषभ	14-02-2062	06-03-2062	रजत
साडेसाती	मिथुन	11-07-2061	13-02-2062	लोह
साडेसाती	मिथुन	07-03-2062	23-08-2063	तांबा
साडेसाती	मिथुन	06-02-2064	09-05-2064	रजत
कंटकशनी	सिंह	13-10-2065	03-02-2066	स्वर्ण
कंटकशनी	सिंह	03-07-2066	29-08-2068	लोह
अष्टमाशनि	धनू	17-01-2076	10-07-2076	स्वर्ण
अष्टमाशनि	धनू	12-10-2076	14-01-2079	स्वर्ण
साडेसाती	मेष	22-05-2086	09-11-2086	लोह
साडेसाती	मेष	08-02-2087	17-07-2088	रजत
साडेसाती	मेष	31-10-2088	05-04-2089	रजत
जन्मशनी	वृषभ	18-07-2088	30-10-2088	तांबा
जन्मशनी	वृषभ	06-04-2089	18-09-2090	तांबा
जन्मशनी	वृषभ	25-10-2090	20-05-2091	स्वर्ण
साडेसाती	मिथुन	19-09-2090	24-10-2090	तांबा
अष्टमाशनि	धनू	30-11-2105	24-02-2108	रजत





## षड्बल

	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनी	चंद्र
उच्च बळ	54.73	6.06	11.97	25.57	11.59	38.00	59.10
सप्तवर्गीय बळ	120.00	105.00	120.00	78.75	172.50	82.50	97.50
दिन-रात्रि बळ	15	30	0	15	30	15	30
केन्द्रादि बळ	30.00	60.00	60.00	60.00	30.00	30.00	60.00
द्रेक्कान बळ	0.00	0.00	15.00	0.00	15.00	0.00	0.00
स्थान बळ	219.73	201.06	206.97	179.32	259.09	165.5	246.6
दिग बळ	40.60	1.61	30.44	56.29	27.26	41.34	7.37
नतोनत बळ	42.27	60.00	42.27	17.73	42.27	17.73	17.73
पक्ष बळ	47.96	12.04	12.04	47.96	12.04	47.96	12.04
त्रिभाग बळ	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	60.00	0.00
वर्ष बळ	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	0.00
मास बळ	0.00	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00	0.00
वार बळ	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00
होरा बळ	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00	0.00
अयन बळ	36.11	33.02	25.08	51.81	1.89	53.29	11.85
युद्ध बळ	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
काळ बळ	126.34	105.06	109.39	177.50	116.20	193.98	86.62
चेष्टा बळ	36.11	32.92	11.46	19	38.16	30.07	12.04
नैसर्गिक बळ	60	25.71	42.86	17.14	34.29	8.57	51.43
द्रिक बळ	-13.41	-6.17	4.46	15.89	-2.18	-8.55	3.53
कुळ षड्बळ	469.37	360.19	405.58	465.14	472.82	430.91	407.59
रूपचे षड्बळ	7.82	6.00	6.76	7.75	7.88	7.18	6.79
थोडक्याचा अंश	1.2	0.86	1.23	1.55	1.21	1.44	1.13
स्थान बळ अंश	1.33	1.22	1.56	1.87	1.57	1.72	1.85
दिग बळ अंश	1.16	0.05	0.61	1.88	0.78	1.38	0.15
काळ बळ अंश	1.13	0.94	1.09	2.65	1.04	2.9	0.87
चेष्टा बळ अंश	0.72	0.66	0.38	0.48	0.76	0.75	0.4
आयन बळ अंश	1.2	1.1	0.63	2.59	0.06	2.66	0.3
स्थिती	2	7	6	3	1	4	5
इष्ट फळ	44.46	14.12	11.71	22.04	21.03	33.80	26.68
कष्ट फळ	11.22	38.22	48.28	37.57	32.52	25.66	6.57



## जन्माच्या वेळी ग्रहाची स्थिती

ग्रह	राशी	डिग्री	नक्षत्र	र.न.उ. स्वामी	दिशा	स्थिती
लग्न	सिंह	22:05:24	पूर्वा	रवी—शुक्र—शनि		---
रवी	मीन	24:17:52	रेवती	गुरु—बुध—राहू	मार्गी	---
बुध	कुंभ	26:54:50	पूर्व भाद्रपद	शनि—गुरु—शुक्र	मार्गी	---
शुक्र	कुंभ	21:12:01	पूर्व भाद्रपद	शनि—गुरु—गुरु	मार्गी	---
मंगळ	वृषभ	11:23:15	रोहिणी	शुक्र—चंद्र—मंग	मार्गी	---
गुरु	धनू	00:18:45	मूळ	गुरु—केतू—केतू	मार्गी	मूलत्रिकोण
शनी	धनू	26:06:35	पूर्वाषाढ	गुरु—शुक्र—केतू	मार्गी	---
चंद्र	वृषभ	00:24:21	कृतिका	शुक्र—रवी—राहू	मार्गी	तुंगस्थ
राहू	मिथुन	28:22:36	पुनर्वसू	बुध—गुरु—शुक्र	वक्री	---
केतू	धनू	28:22:36	उत्तराषाढ	गुरु—रवी—चंद्र	वक्री	---
इंद्र	मेष	07:40:15	अश्विनी	मंगळ—केतू—गुरु	मार्गी	---
वरुण	कुंभ	23:18:58	पूर्व भाद्रपद	शनि—गुरु—शनि	मार्गी	---
रुद्र	धनू	29:03:25	उत्तराषाढ	गुरु—रवी—मंगळ	मार्गी	---

पार्स फॉरच्युना: कन्या

28:11:53

## कृष्णमूर्ति गृह कस्प

गृह	गृह कस्प	र.न.उ. स्वामी	भाव अवधि
I.	सिंह 21:44:50	सू—शु—गु	141:44:50 – 170:51:01
II.	कन्या 20:51:01	बु—चं—शु	170:51:01 – 201:32:59
III.	तूळ 21:32:59	शु—गु—गु	201:32:59 – 232:10:31
IV.	वृश्चिक 22:10:31	मं—बु—सू	232:10:31 – 262:16:08
V.	धनू 22:16:08	गु—शु—श	262:16:08 – 292:12:31
VI.	मकर 22:12:31	श—चं—शु	292:12:31 – 321:44:50
VII.	कुंभ 21:44:50	श—गु—गु	321:44:50 – 350:51:01
VIII.	मीन 20:51:01	गु—बु—शु	350:51:01 – 21:32:
IX.	मेष 21:32:59	मं—शु—गु	21:32: – 52:10:
X.	वृषभ 22:10:31	शु—चं—शु	52:10: – 82:16:
XI.	मिथुन 22:16:08	बु—गु—श	82:16: – 112:12:31
XII.	कर्क 22:12:31	चं—बु—सू	112:12:31 – 141 44:50



## भाव ग्रह कारक

## भाव कारक ग्रह बळ

गृह	महाबळी	बळी	सामान्य	क्षीण
I.	---	---	रवी	चंद्र केतू
II.	---	---	बुध	रवी
III.	---	---	शुक्र	शनि
IV.	---	---	मंगळ गुरु	बुध शुक्र राहू
V.	---	---	गुरु शनि केतू	बुध शुक्र राहू
VI.	---	शनि	शुक्र	---
VII.	---	---	बुध शनि	रवी
VIII.	---	---	रवी गुरु	बुध शुक्र चंद्र राहू केतू
IX.	मंगळ	---	चंद्र	---
X.	---	---	शुक्र	शनि
XI.	---	---	बुध राहू	रवी
XII.	---	---	चंद्र	मंगळ

## भावांचे कारक ग्रह

गृह	क.	ख.	ग.	घ.
I.	रवी	---	चंद्र केतू	---
II.	बुध	---	रवी	---
III.	शुक्र	---	शनि	---
IV.	मंगळ	गुरु	---	बुध शुक्र राहू
V.	गुरु	शनि केतू	बुध शुक्र राहू	---
VI.	शनि	शुक्र	---	शनि
VII.	शनि	बुध	---	रवी
VIII.	गुरु	रवी	बुध शुक्र राहू	चंद्र केतू
IX.	मंगळ	मंगळ चंद्र	---	मंगळ
X.	शुक्र	---	शनि	---
XI.	बुध	राहू	रवी	---
XII.	चंद्र	---	मंगळ	---

क्रम: क. कस्प राशी स्वामी, ख. भाव स्थित ग्रह, ग. कस्प स्वामी नक्षत्रामध्ये ग्रह, घ. भाव स्थित ग्रहांच्या नक्षत्रामध्ये



## ग्रहांचे कारक भाव

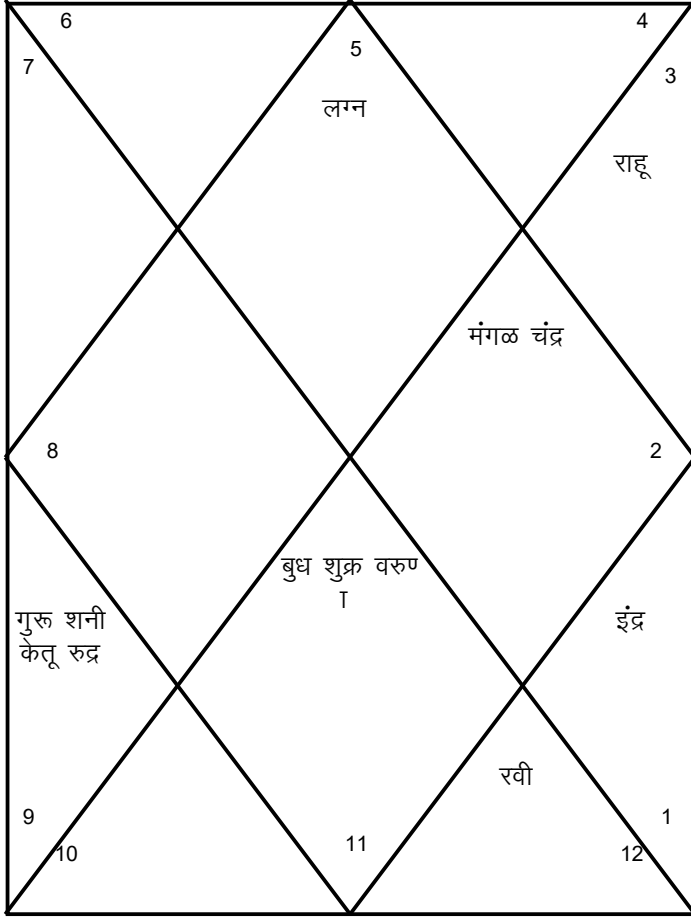
ग्रह	महाबळी	बळी	सामान्य	क्षीण
रवी	-	-	1 8	2 7 11
बुध	-	-	2 7 11	4 5 8
शुक्र	-	-	3 6 10	4 5 8
मंगळ	9	-	4	12
गुरु	-	-	4 5 8	-
शनि	-	6	5 7	3 10
चंद्र	-	-	9 12	1 8
राहू	-	-	11	4 5 8
केतू	-	-	5	1 8

## कारक उप पति

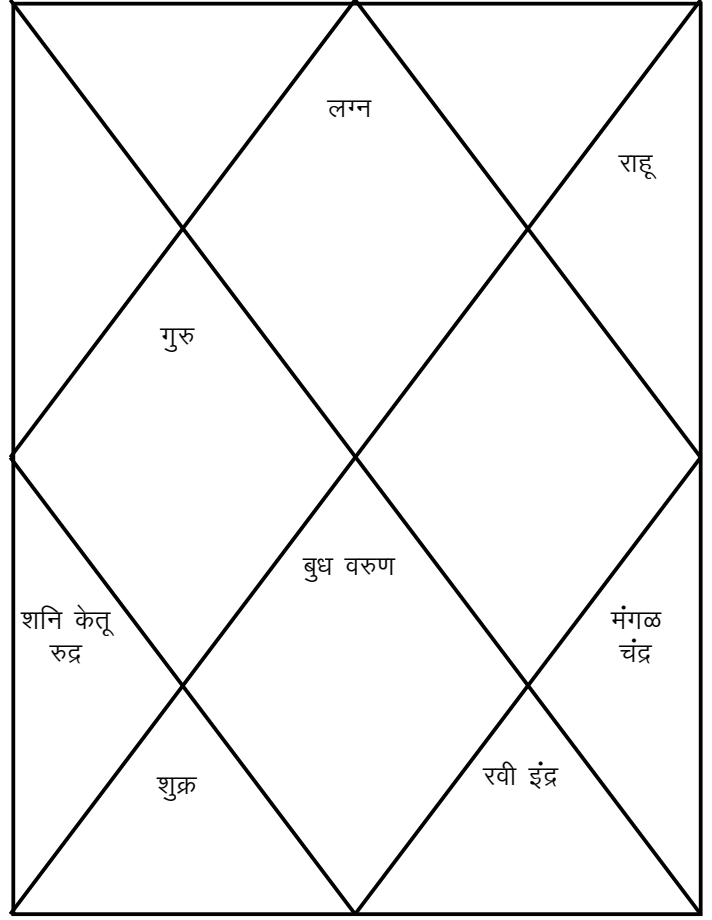
गृह	उप पति	महाबळी	बळी	सामान्य	क्षीण
I.	गुरु	-	-	4 5 8	-
II.	शुक्र	-	-	3 6 10	4 5 8
III.	गुरु	-	-	4 5 8	-
IV.	रवी	-	-	1 8	2 7 11
V.	शनि	-	6	5 7	-
VI.	शुक्र	-	-	3 6 10	4 5 8
VII.	गुरु	-	-	4 5 8	3 10
VIII.	शुक्र	-	-	3 6 10	4 5 8
IX.	गुरु	-	-	4 5 8	-
X.	शुक्र	-	-	3 6 10	4 5 8
XI.	शनि	-	6	5 7	3 10
XII.	रवी	-	-	1 8	2 7 11



### कृष्णमूर्ति लग्न कुंडली



### कृष्णमूर्ति भाव कुंडली



#### स्वामी ग्रह

दिवस स्वामी	चंद्र
लग्न राशी स्वामी	रवी
लग्न नक्षत्र स्वामी	शुक्र
लग्न उप स्वामी	शनी
चंद्र राशी स्वामी	शुक्र
चंद्र नक्षत्र स्वामी	रवी
चंद्र उप स्वामी	राहू

#### पार्स फॉरच्युना

के.पी. अयनांश  
जन्म वेळेची विंशोत्तरी

कन्या 28:11:53

24:01:47

रवी: 4 वर्ष

3 मास 24 दिवस



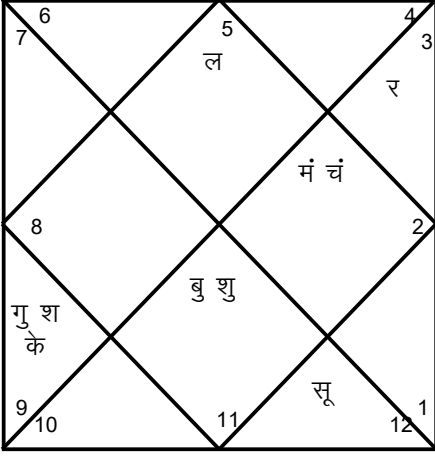
## जैमिनी लग्न व स्फुट

लग्न	राशी
जन्म लग्न	सिंह
द्रेष्काण लग्न (पारंपरिक)	मेष
द्रेष्काण लग्न (परिवृत्ति त्रय)	मिथुन
द्रेष्काण लग्न (सोमनाथ)	धनू
नवांश लग्न (पारंपरिक)	तूळ
नवांश लग्न (कृष्ण मिश्र)	मेष
अरुढ लग्न (पारंपरिक)	तूळ
अरुढ लग्न (सशर्त)	तूळ
उपपद लग्न (पारंपरिक)	मीन
उपपद लग्न (सशर्त)	मीन
स्वांश लग्न	तूळ
कारकांश लग्न	मिथुन
पाक लग्न	मीन
होरा लग्न (पारंपरिक)	मकर
होरा लग्न (वृद्धिकारक)	मकर
होरा लग्न (सव्यव)	वृश्चिक
भाव लग्न	सिंह
घटिका लग्न	वृश्चिक
सपद घटिका लग्न	कुंभ
अयुर लग्न	मिथुन
वर्णद लग्न	वृषभ
श्री लग्न	धनू
इन्दु लग्न	वृश्चिक
तारा लग्न	वृश्चिक
नक्षत्र लग्न	वृश्चिक
दिव्य लग्न	कर्क
त्रिपवन लग्न	कुंभ
स्फुट योग लग्न	कन्या

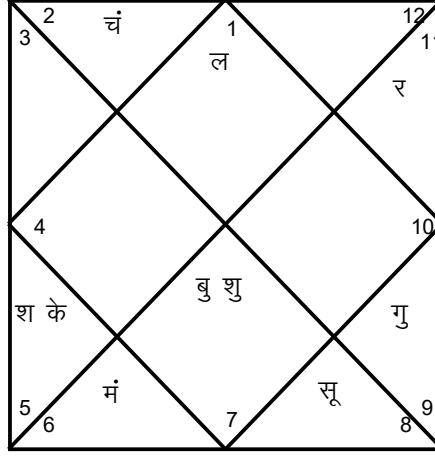


## जैमिनी लग्न कुंडली

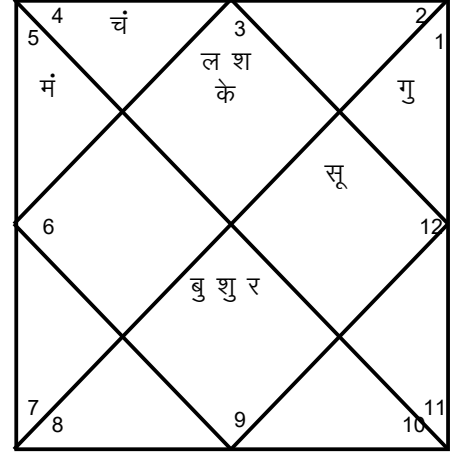
जन्म लग्न



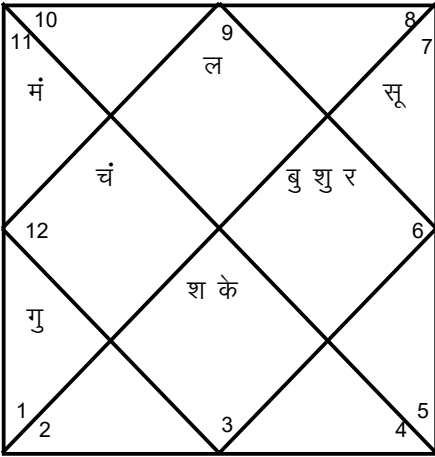
द्रेष्काण पारंपरिक



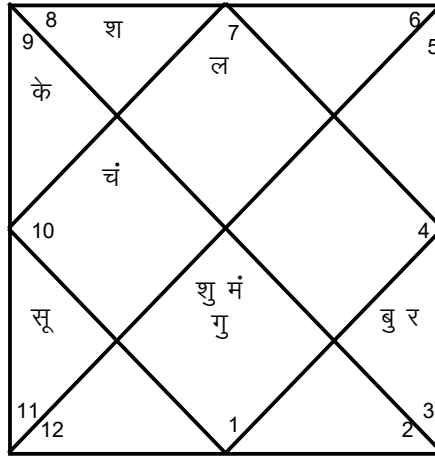
द्रेष्काण परिवृत्ति त्रय



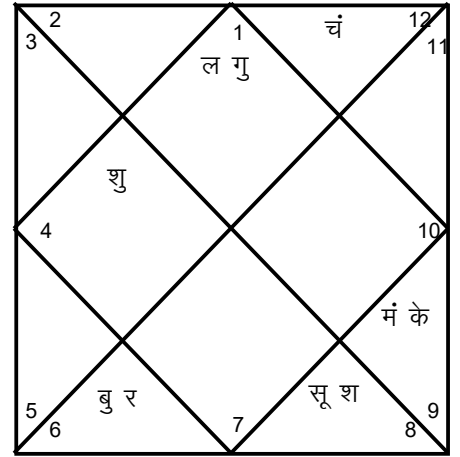
द्रेष्काण सोमनाथ



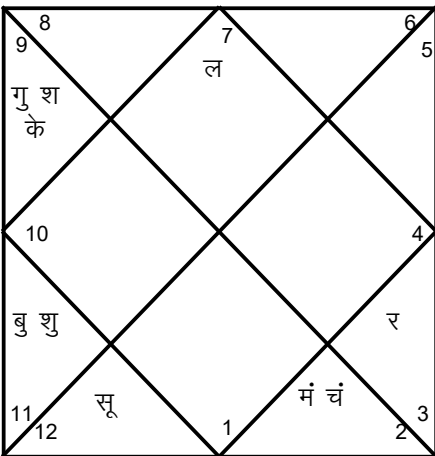
नवांश पारंपरिक



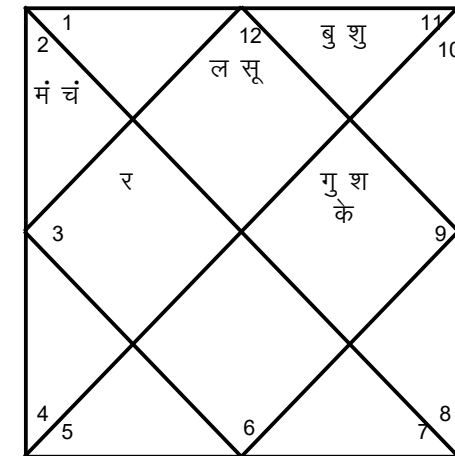
नवांश कृष्ण मिश्र



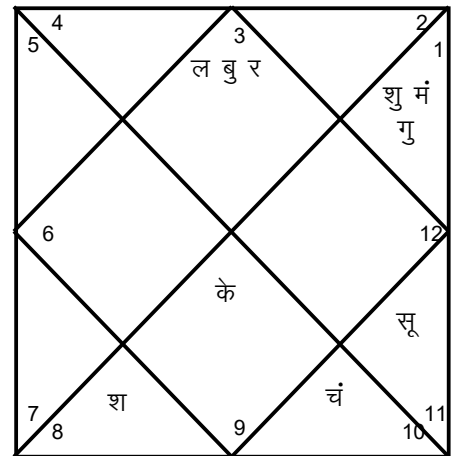
अरुढ लग्न (पारंपरिक)



उपपद लग्न



कारकांश लग्न





## जैमिनी स्फुट

स्फुट नाम	स्फुट
बीज स्फुट मुख्य	वृश्चिक 29:07:13
बीज स्फुट उप—1	तूळ 15:31:23
बीज स्फुट उप—2	वृश्चिक 10:46:15
क्षेत्र स्फुट मुख्य	सिंह 19:05:37
क्षेत्र स्फुट उप—1	कुंभ 11:49:06
क्षेत्र स्फुट उप—2	धनू 05:45:53

## जैमिनी कारक

ग्रह	अष्ट चर	सप्त चर	सप्त स्थिर	सप्त भाव
रवी	भ्रातृ	भ्रातृ	आत्म	आत्म
बुध	आत्म	आत्म	अमात्य	अमात्य
शुक्र	मातृ	मातृ	दारा	भ्रातृ
मंगळ	पितृ	अपत्य	भ्रातृ	मातृ
गुरु	दारा	दारा	अपत्य	अपत्य
शनी	अमात्य	अमात्य	ज्ञाति	ज्ञाति दारा
चंद्र	ज्ञाति	ज्ञाति	मातृ	
राहू	अपत्य			

## जैमिनी दृष्टी

ग्रह	सम्मुख दृष्टि	पार्श्व दृष्टी
मेष	वृश्चिक	सिंह—कुंभ
वृषभ --- मं --- चं	तूळ	कर्क—मकर
मिथुन --- र	धनू --- गुरु --- शनि --- केतू	कन्या—मीन
कर्क	कुंभ --- बुध --- शुक्र	वृषभ—वृश्चिक
सिंह --- ल	मकर	मेष—तूळ
कन्या	मीन --- रवी	मिथुन—धनू
तूळ	वृषभ --- मंगळ --- चंद्र	सिंह—कुंभ
वृश्चिक	मेष	कर्क—मकर
धनू --- गु --- श ---	मिथुन --- राहू	कन्या—मीन
मकर	सिंह --- लग्न	वृषभ—वृश्चिक
कुंभ --- बु --- शु	कर्क	मेष—तूळ
मीन --- सू	कन्या	मिथुन—धनू





### विंशोत्तरी दशा (महादशा)

<b>रवी</b>	<b>6 वर्ष</b>	<b>चंद्र</b>	<b>10 वर्ष</b>	<b>मंगळ</b>	<b>7 वर्ष</b>
चे	18-08-2017	चे	18-08-2023	चे	18-08-2033
पर्यंत	18-08-2023	पर्यंत	18-08-2033	पर्यंत	18-08-2040
रवी	18-08-2017	चंद्र	18-08-2023	मंगळ	18-08-2033
चंद्र	05-12-2017	मंगळ	17-06-2024	राहू	14-01-2034
मंगळ	06-06-2018	राहू	16-01-2025	गुरु	01-02-2035
राहू	12-10-2018	गुरु	18-07-2026	शनी	08-01-2036
गुरु	06-09-2019	शनी	17-11-2027	बुध	17-02-2037
शनी	24-06-2020	बुध	18-06-2029	केतू	14-02-2038
बुध	06-06-2021	केतू	17-11-2030	शुक्र	13-07-2038
केतू	12-04-2022	शुक्र	18-06-2031	रवी	12-09-2039
शुक्र	18-08-2022	रवी	17-02-2033	चंद्र	18-01-2040
<b>राहू</b>	<b>18 वर्ष</b>	<b>गुरु</b>	<b>16 वर्ष</b>	<b>शनी</b>	<b>19 वर्ष</b>
चे	18-08-2040	चे	18-08-2058	चे	18-08-2074
पर्यंत	18-08-2058	पर्यंत	18-08-2074	पर्यंत	18-08-2093
राहू	18-08-2040	गुरु	18-08-2058	शनी	18-08-2074
गुरु	01-05-2043	शनी	06-10-2060	बुध	21-08-2077
शनी	24-09-2045	बुध	18-04-2063	केतू	30-04-2080
बुध	30-07-2048	केतू	25-07-2065	शुक्र	08-06-2081
केतू	16-02-2051	शुक्र	01-07-2066	रवी	08-08-2084
शुक्र	05-03-2052	रवी	01-03-2069	चंद्र	21-07-2085
रवी	05-03-2055	चंद्र	18-12-2069	मंगळ	19-02-2087
चंद्र	28-01-2056	मंगळ	19-04-2071	राहू	30-03-2088
मंगळ	30-07-2057	राहू	25-03-2072	गुरु	03-02-2091
<b>बुध</b>	<b>17 वर्ष</b>	<b>केतू</b>	<b>7 वर्ष</b>	<b>शुक्र</b>	<b>20 वर्ष</b>
चे	18-08-2093	चे	18-08-2110	चे	18-08-2117
पर्यंत	18-08-2110	पर्यंत	18-08-2117	पर्यंत	18-08-2137
बुध	18-08-2093	केतू	18-08-2110	शुक्र	18-08-2117
केतू	14-01-2096	शुक्र	14-01-2111	रवी	18-12-2120
शुक्र	10-01-2097	रवी	15-03-2112	चंद्र	18-12-2121
रवी	11-11-2099	चंद्र	21-07-2112	मंगळ	18-08-2123
चंद्र	17-09-2100	मंगळ	19-02-2113	राहू	18-10-2124
मंगळ	16-02-2102	राहू	18-07-2113	गुरु	18-10-2127
राहू	13-02-2103	गुरु	05-08-2114	शनी	19-06-2130
गुरु	02-09-2105	शनी	12-07-2115	बुध	18-08-2133
शनी	09-12-2107	बुध	21-08-2116	केतू	18-06-2136



### विंशोत्तरी प्रत्यन्तर

<u>रवी</u>		<u>चंद्र</u>		<u>मंगळ</u>	
चे	18-08-2017	चे	05-12-2017	चे	06-06-2018
<u>पर्यंत</u>	<u>05-12-2017</u>	<u>पर्यंत</u>	<u>06-06-2018</u>	<u>पर्यंत</u>	<u>12-10-2018</u>
रवी	18-08-2017	चंद्र	05-12-2017	मंगळ	06-06-2018
चंद्र	23-08-2017	मंगळ	21-12-2017	राहू	14-06-2018
मंगळ	01-09-2017	राहू	31-12-2017	गुरू	03-07-2018
राहू	08-09-2017	गुरू	28-01-2018	शनी	20-07-2018
गुरू	24-09-2017	शनी	21-02-2018	बुध	09-08-2018
शनी	09-10-2017	बुध	22-03-2018	केतू	27-08-2018
बुध	26-10-2017	केतू	17-04-2018	शुक्र	04-09-2018
केतू	11-11-2017	शुक्र	28-04-2018	रवी	25-09-2018
शुक्र	17-11-2017	रवी	28-05-2018	चंद्र	01-10-2018
<u>राहू</u>		<u>गुरू</u>		<u>शनी</u>	
चे	12-10-2018	चे	06-09-2019	चे	24-06-2020
<u>पर्यंत</u>	<u>06-09-2019</u>	<u>पर्यंत</u>	<u>24-06-2020</u>	<u>पर्यंत</u>	<u>06-06-2021</u>
राहू	12-10-2018	गुरू	06-09-2019	शनी	24-06-2020
गुरू	30-11-2018	शनी	15-10-2019	बुध	18-08-2020
शनी	13-01-2019	बुध	30-11-2019	केतू	06-10-2020
बुध	06-03-2019	केतू	10-01-2020	शुक्र	26-10-2020
केतू	22-04-2019	शुक्र	27-01-2020	रवी	23-12-2020
शुक्र	11-05-2019	रवी	16-03-2020	चंद्र	09-01-2021
रवी	05-07-2019	चंद्र	31-03-2020	मंगळ	07-02-2021
चंद्र	21-07-2019	मंगळ	24-04-2020	राहू	28-02-2021
मंगळ	17-08-2019	राहू	11-05-2020	गुरू	21-04-2021
<u>बुध</u>		<u>केतू</u>		<u>शुक्र</u>	
चे	06-06-2021	चे	12-04-2022	चे	18-08-2022
<u>पर्यंत</u>	<u>12-04-2022</u>	<u>पर्यंत</u>	<u>18-08-2022</u>	<u>पर्यंत</u>	<u>18-08-2023</u>
बुध	06-06-2021	केतू	12-04-2022	शुक्र	18-08-2022
केतू	20-07-2021	शुक्र	20-04-2022	रवी	18-10-2022
शुक्र	07-08-2021	रवी	11-05-2022	चंद्र	05-11-2022
रवी	28-09-2021	चंद्र	17-05-2022	मंगळ	06-12-2022
चंद्र	13-10-2021	मंगळ	28-05-2022	राहू	27-12-2022
मंगळ	08-11-2021	राहू	05-06-2022	गुरू	20-02-2023
राहू	26-11-2021	गुरू	24-06-2022	शनी	10-04-2023
गुरू	12-01-2022	शनी	11-07-2022	बुध	06-06-2023
शनी	22-02-2022	बुध	31-07-2022	केतू	28-07-2023



## त्रिभागी दशा

रवी		चंद्र		मंगळ	
चे	08-04-2019	चे	05-03-2022	चे	03-11-2028
पर्यंत	05-03-2022	पर्यंत	03-11-2028	पर्यंत	04-07-2033
रवी	17-05-2018	चंद्र	23-09-2022	मंगळ	11-02-2029
चंद्र	16-09-2018	मंगळ	12-02-2023	राहू	25-10-2029
मंगळ	10-12-2018	राहू	12-02-2024	गुरु	09-06-2030
राहू	17-07-2019	गुरु	02-01-2025	शनि	06-03-2031
गुरु	28-01-2020	शनि	23-01-2026	बुध	02-11-2031
शनि	15-09-2020	बुध	03-01-2027	केतू	09-02-2032
बुध	10-04-2021	केतू	25-05-2027	शुक्र	19-11-2032
केतू	04-07-2021	शुक्र	04-07-2028	रवी	12-02-2033
शुक्र	05-03-2022	रवी	03-11-2028	चंद्र	04-07-2033
राहू		गुरु		शनि	
चे	04-07-2033	चे	04-07-2045	चे	04-03-2056
पर्यंत	04-07-2045	पर्यंत	04-03-2056	पर्यंत	02-11-2068
राहू	22-04-2035	गुरु	06-12-2046	शनि	06-03-2058
गुरु	26-11-2036	शनि	14-08-2048	बुध	21-12-2059
शनि	21-10-2038	बुध	17-02-2050	केतू	16-09-2060
बुध	03-07-2040	केतू	02-10-2050	शुक्र	27-10-2062
केतू	16-03-2041	शुक्र	12-07-2052	रवी	15-06-2063
शुक्र	17-03-2043	रवी	23-01-2053	चंद्र	05-07-2064
रवी	22-10-2043	चंद्र	14-12-2053	मंगळ	01-04-2065
चंद्र	21-10-2044	मंगळ	29-07-2054	राहू	24-02-2067
मंगळ	04-07-2045	राहू	04-03-2056	गुरु	02-11-2068
बुध		केतू		शुक्र	
चे	02-11-2068	चे	03-03-2080	चे	01-11-2084
पर्यंत	03-03-2080	पर्यंत	01-11-2084	पर्यंत	03-03-2098
बुध	12-06-2070	केतू	11-06-2080	शुक्र	21-01-2087
केतू	08-02-2071	शुक्र	22-03-2081	रवी	22-09-2087
शुक्र	29-12-2072	रवी	15-06-2081	चंद्र	01-11-2088
रवी	24-07-2073	चंद्र	04-11-2081	मंगळ	12-08-2089
चंद्र	04-07-2074	मंगळ	11-02-2082	राहू	13-08-2091
मंगळ	02-03-2075	राहू	25-10-2082	गुरु	23-05-2093
राहू	12-11-2076	गुरु	09-06-2083	शनि	03-07-2095
गुरु	18-05-2078	शनि	05-03-2084	बुध	23-05-2097
शनि	03-03-2080	बुध	01-11-2084	केतू	03-03-2098



## योगिनी दशा

दशा	पती	वय	पर्यंत
उल्का	शनि	6 वर्ष	18-08-2023
सिद्धा	शुक्र	7 वर्ष	18-08-2030
संकटा	राहू	8 वर्ष	18-08-2038
मंगळा	चंद्र	1 वर्ष	18-08-2039
पिंगला	रवी	2 वर्ष	17-08-2041
धान्य	गुरु	3 वर्ष	17-08-2044
भ्रामारी	मंगळ	4 वर्ष	17-08-2048
भद्रिका	बुध	5 वर्ष	17-08-2053
उल्का	शनि	6 वर्ष	18-08-2059
सिद्धा	शुक्र	7 वर्ष	18-08-2066
संकटा	राहू	8 वर्ष	18-08-2074
मंगळा	चंद्र	1 वर्ष	18-08-2075
पिंगला	रवी	2 वर्ष	17-08-2077
धान्य	गुरु	3 वर्ष	17-08-2080
भ्रामारी	मंगळ	4 वर्ष	17-08-2084
भद्रिका	बुध	5 वर्ष	17-08-2089

## शटत्रिंश दशा

पती	वय	पर्यंत
चंद्र	1 वर्ष	29-12-2019
रवी	2 वर्ष	28-12-2021
गुरु	3 वर्ष	28-12-2024
मंगळ	4 वर्ष	28-12-2028
बुध	5 वर्ष	28-12-2033
शनि	6 वर्ष	29-12-2039
शुक्र	7 वर्ष	29-12-2046
राहू	8 वर्ष	29-12-2054
चंद्र	1 वर्ष	29-12-2055
रवी	2 वर्ष	28-12-2057
गुरु	3 वर्ष	28-12-2060
मंगळ	4 वर्ष	28-12-2064
बुध	5 वर्ष	28-12-2069
शनि	6 वर्ष	29-12-2075
शुक्र	7 वर्ष	29-12-2082
राहू	8 वर्ष	29-12-2090

दशास्वामी ग्रहांची स्थिती. ग्रह दशा वय दशा चक्राची वय योगिनी आणि शट त्रिंश दशेत समान असते. दोन्ही दशांत फक्त सुरुवात वेगळ्या ग्रहापासून होते. उर्वरीत सर्व गोष्टी समान असतात.

पाराशरचा उपदेश आहे की जर जन्म दिवसा सूर्य होरा किंवा रात्री चंद्र होरा यांत असेल तर शट त्रिंश दशेचा उपयोग केला पाहिजे.

ह्या अनुसार जर जन्म दिवस चंद्र होरा किंवा रात्रीत सूर्य होरा मध्ये झालातर योगिनी दशाचा वापर करावा.



## ग्रहयोग फळ

### अमल योग

ही ग्रहस्थिती शुभ आहे. यामुळे तुम्ही चारिष्य संपन्न व्हाल आणि तुमच्यात अनेक चांगले गुण असतील. दुसऱ्यांना मदत करण्याचा तुमचा स्वभाव असेल. तुमच्याकडे धनसंपत्ती भरपूर असेल आणि तुमची कीर्ती शेवटपर्यंत राहील. लोक तुमच्यापासून प्रेरणा घेतील. एकंदरीत आयुष्य सुखा – समाधानात जाईल.

### शकट योग

ही ग्रहस्थिती शुभ नाही. तुमचं भवितव्य अस्थिर आणि सतत बदलतं राहतं. कधीकधी तुम्हाला बिकट प्रसंगांना तोंड द्यावे लागतं—तुम्ही हट्टी आणि भांडखोर असता – आणि त्यामुळे तुमची लोकप्रियता कमी होऊ शकते.

### चन्द्रमन्गल योग

ऐहिक संपत्तीसाठी हा योग चांगला आहे, पण इतर .र्ष्टींनी याची विपरित फळं मिळतात. तुम्ही हुशार आणि धडाडीचे असाल, पण तुमच्या पटकन रागवण्याच्या सवयी मुळे इतरांचे तुमच्याविषयी वाईट मत होईल आणि तुमचे लोकांबरोबरचे संबंधही बिघडतील. तुम्ही कधीही स्वस्थ बसणार नाही, आणि कुठलंही उद्दिष्ट साध्य करताना सोप्या आणि पटकन यश मिळवून देणाऱ्या मार्गाच्या शोधात असाल. तुम्हाला कामाचा उत्साह फारसा नसेल आणि लायकी नसलेल्या माणसांबरोबर संबंध होईल.

### अखंड साम्राज्य योग

ही अत्यंत दुर्मिळ नितकीच शुभ ग्रहस्थिती आहे. यामुळे तुम्ही अत्यंत श्रीमंत व्हाल व अधिकारपद मिळेल. तुमच्या क्षेत्रात तुम्ही उच्चपदाला पोचाल व तुमचे अनेक निष्ठावंत अनुयायी असतील. कुठल्याही स्वरूपाची खंत नसलेलं असं दीर्घायुष्य जगाल.

### सरस्वती योग

ही शुभ ग्रहस्थिती आहे. तुम्ही विद्वान आणि सुसंस्कृत असाल. कला, संगीत यांत तुम्हाला विशेष रस असेल, आणि काही सृजनशील कार्यांत तुमचा सहभाग असेल. तुम्ही खूप कीर्ती व नावलौकिक मिळवाल. तुमच्या जोडीदारावर तुमचा खूप जीव असेल आणि तुमची मुलं तुमच्या अभिमानाचा विषय असतील.

### गुरुचन्डाल योग

ही चांगली ग्रहस्थिती नाही. तुमचा .ष्टीकोन जरी तत्त्वज्ञाचा असला, तरी स्वभाव विक्षिप्त असेल, तुमच्यासह राहणं कठीण असेल आणि तुमच्या नातेवाईकांमध्ये तुम्ही अप्रिय असाल. कनिष्ठ वर्गातल्या लोकांशी तुमचा संबंध येईल आणि तुम्हाला त्यांच्याबद्दल खरी सहानुभूती असल्यामुळे तेही तुमचा आदर करतील.

### पहले दर्जे का राज योग

हा शुभ राजयोग आहे. कुणीही हेवा करवा असं स्थान तुम्हाला मिळतं. तुमच्या कुंडलीतले ग्रह जर बलवान असतील, तर तुम्ही मंत्रीपदीही विराजमान होऊ शकता. जरी तुम्ही या पदी पोचला नाहीत, तरी एखाद्या मोठ्या सरकारी संस्थेचं अध्यक्षपद तुम्हाला खात्रीने मिळतं.



### उत्तम गृह योग

हा फायदा करुन देणारा गेहयोग आहे. तुमच्या नशिबात अनेक घरं असतात ज्यामुळे तुम्हाला सोख्य मिळतं.

### अयत्न गृह योग

हा चांगला योग आहे. कुठल्याही कष्टाशिवाय तुम्हाला वारसाहक्काने स्वतःचं घर मिळतं. तुमचं आयुष्यही आरामात जातं.



## ग्रहदृष्टि चे फळ

### रवी सेमी सेक्सटॉइल बुध

उत्तम विनोद कौशल्य आणि बुद्धिमत्ता, यामुळे कोणत्याही विषयाच्या अभ्यासाचे तुम्हाला नैसर्गिक आकर्षण असेल या अभ्यासादरम्यान तुम्हाला प्रवासही घडेल. त्याचबरोबर मित्रांशी आणि शेजाऱ्यांशी असलेले तुमचे संबंध हे हितावह ठरतील, ते तुम्हाला मदत करतील शिवाय संधी विकासांच्या उपलब्ध करून देतील.

### रवी सेमी सेक्सटॉइल शुक्र

तुम्हाला सामाजिक आणि आर्थिक या दृष्ट्या यश मिळेल ज्यामुळे तुमच्या मार्गात प्रगती आणि तुमची विशिष्ट अशी ओळख आपोआपच होईल. विरुद्ध लिंगी व्यक्तींशी असलेली तुमची जवळीकता ही पुढे जाऊन कायमस्वरूपी होऊ शकेल. जी तुमच्यासाठी फक्त आनंद आणि सुखच नव्हे तर फायदेशीरही ठरेल. तुमच्या जीवनात काही अप्रिय असे क्षणही येतील पण तुमच्या क्षमतेनुसार त्यांचे निरसन करून तुमच्या फायद्याचेही करून घ्याल.

### रवी सेमी स्ववेअर मंगळ

यांच्या प्रभावाखाली येणाऱ्या लोकांना राजकारणात गुंतागुंतीच्या प्रसंगात सहभागी न होण्यात अधिक सावधगिरी बाळगून ती अक्षरशः टाळली पाहिजे. तुमच्या आरोग्याची आणि अपघातापासून स्व-रक्षणासाठीही तुम्हाला काळजी घ्यावी लागेल. सर्वात अधिक सावधगिरी नवीन नाते बनवताना घ्यावी लागेल कारण ते तुमची प्रतिष्ठाही धोक्यात आणू शकेल. या बिकट कालावधीत स्वतःच्या भावनावशतेला विरोध करण्याचा प्रयत्न केला पाहिजे.

### रवी स्ववेअर शनी

तुम्हाला काही अडचणींना तोंड द्यावे लागेल पण त्याचा कालावधी अल्प असेल. कौटुंबिक जीवनातही काही अडचणीला तोंड द्याल. त्यातुनही लोकांचीही मदत न मिळाल्याने दडपण येईल. त्यामुळे कदाचित पर्वा न करता तुमच्या महत्वाकांक्षा आणि स्वाभिमानाला जपाल. तुमच्या आरोग्याकडेही लक्ष देण्याची गरज आहे.

### रवी सेमी सेक्सटॉइल वरुण

जीवनाच्या गूढात्मक आणि आध्यात्मिक अशा बाजू जाणून घेण्यात तुमचा अधिक कल असेल. तुमच्या जीवनशैलीला सुख आणि आनंद व्यापून राहील. कविता आणि संगीत यातही तुम्हाला स्वारस्य आहे. नशीब तुमच्यावर अधिकच खूष आहे. विशेषतः मित्रमंडळी आणि शेजाऱ्यांकडून. दानधर्माच्या कार्यातही तुमचा सहभाग हा सुद्धा तुमच्या व्यक्तिमत्त्वाचे एक वैशिष्ट्य आहे.

### बुध सेक्सटॉइल शनी

या ग्रहाचा प्रभाव हा सर्व गोष्टींची अगदी खोलात जाऊन छाननी करण्यास भाग पाडणार आहे विशेषतः तुमची परिस्थिती आणि कार्यपद्धतीत. आयुष्याची गंभीर बाजू जाणून घेण्यात तुमचा अधिक कल आहे त्यामुळे मित्र-मैत्रिणींच्या सहवासातही तुमचे वागणे हे औपचारिक बनेल. तुमच्या जीवनशैलीत तुम्ही संकुचित आणि शिस्तबद्ध आहात.

### बुध ट्राइन राहू



राहू किंवा केतूशी बुध सेक्सटाईल किंवा ट्राईन स्थितीमध्ये असल्याने मोहकता आणि चुंबकीय अशी शक्ती तुमच्या व्यक्तिमत्वात असेल, ज्यामुळे इतरांना स्वतःकडे आकर्षित कराल.

#### बुध सेक्सटाईल रुद्र

बुध ग्रहाची प्लुटोशी सेक्सटाईल स्थिती तुमच्यात मानसिक धाडसासाठी प्रेमाला बिंबवते. तुमच्या आयुष्यात रहस्यमय गोष्टी येतील आणि जोवर तुम्ही त्यातील रहस्य उलगडत नाही तोवर शांत होणार नाही. तुमच्यात मन वळवण्याचीही शक्ती आहे, ज्याच्याने दुसऱ्यांच्या मनावर आपली गोष्ट पटवून देण्याचा अखेरपर्यंत प्रयत्न करता.

#### शुक्र सेमी स्ववेअर इंद्र

शुक्र आणि युरेनेसच्या सेमी चौकोनी स्थितीच्या परिणामामुळे तुमच्या व्यक्तिमत्वात एक जागरूक असे प्रेमळ अंग बनले आहे. कलाक्षेत्र आणि सांस्कृतिक क्षेत्र यात तुमचा रस अधिक असेल. लोकांपर्यंत पोहचण्याचा मार्ग हा थेट असेल, अंदाजाने खडे टाकण्यास तुम्हाला आवडत नाही. समलिंगी व्यक्तींपेक्षा विरुद्ध लिंगी व्यक्तीशी असलेले संबंध हे अधिक बळकट असतील.

#### शुक्र संयोग वरुण

शुक्र आणि युरेनेसचा संयोग हा तुम्हाला अनेक अनपेक्षित आणि अचानक आलेले प्रसंग जसे वेगवेगळे आर्थिक बाबी आणि प्रेम या संबंधीचे विषयाप्रसंग यांना तोंड द्यावे लागेल. स्वतःला अगदी स्पष्टपणे मांडण्याची क्षमता तुमच्यात आहे. सामाजिक रूढी, परंपरेच्या बेडीतही तुम्ही अडकले जाणार नाही.

#### मंगळ सेमी स्ववेअर राहू

मंगळाची राहू किंवा केतू बरोबर सेमी स्ववेअर स्थिती असल्याने तुम्हाला कडक व्यक्ती बनवते. शारीरिक ऊर्जेचा साठा तुमच्याजवळ असल्याचे जणू वरदान मिळाले आहे. त्यामुळे अगदी क्षुल्लक बाबींसाठीही तुम्ही ती खर्च कराल.

#### गुरू सेमी सेक्सटाईल रुद्र

तुम्ही उच्च पदावर विराजमान आहात ज्यात तुमच्याकडे खूप अधिकार असतील. त्यामुळेच तुम्ही इतरांना वेळोवेळी मदतही कराल. वेळोवेळी स्वाभाविक पणे होणारे बदलही तुमच्या आयुष्यात घडतील. मित्र-मैत्रिणी, नातेवाईक आणि शेजारी यांच्याशी तुमचे नाते हे खूप चांगले असेल. सर्जनशील कार्यातही तुमचा सहभाग असेल.

#### शनी विपरीत राहू

शनीशी राहूचे विरोधी स्वरूप आहे. काही वेळा प्रयत्नात अपयशी होऊ शकाल, पण यश मिळवण्यासाठी कठीण परिश्रम घ्यावे लागेल.

#### शनी सेक्सटाईल वरुण

नेपच्युन बरोबर शनीच्या सेक्सटाईल स्वरूपामुळे तुम्ही आध्यात्मात अत्यंत रस घेता. धार्मिक आणि स्वयंसेवी संस्थेसाठी तुम्ही काम कराल आणि प्रसिद्धी व्हाल. आत्मपरीक्षण करण्याकडे तुमचा अधिक कल आहे आणि त्याचावर लक्ष देण्याची गरज आहे.

#### शनी संयोग रुद्र

शनी आणि प्लुटोच्या संयोगामुळे, तुम्हाला काही वेळा आर्थिक अडचणींना तोंड द्यावे लागेल. बहुतेकदा





तुमच्याकडे मोठया जवाबदाऱ्या विश्वासाने सोपवल्या जातील, त्यांना पूर्ण करण्यासाठी कठीण परिश्रमाची गरज आहे. तुमच्या प्रकृतीवर वाईट परिणाम होण्याची शक्यता असल्याने काळजी घ्यावी.

**चंद्र सेक्सटाइल राहू**

तुमच्या भावनिक आणि सामान्य जीवनात काही अडचणींना तोंड द्यावे लागेल आणि निराशावादामुळे दुःखाची पाळी तुमच्यावर येईल.

**चंद्र ट्राइन रुद्र**

तुमच्या व्यक्तिमत्त्वातील भावनिक अंग तुमच्या संवेदनाला जागृत करतो. विश्वास असलेल्या अंतर्ज्ञानाच्या शक्तींवर पुष्कळदा तुमचे निर्णय आधारलेले असतील. तुमचे कौटुंबिक जीवन सुखाचे असेल.

**केतू संयोग रुद्र**

प्लुटो आणि केतूच्या संयोगामुळे तुम्हाला वैवाहिक जोडीदाराकडून उद्भवणाऱ्या अडचणींना तोंड द्यावे लागेल. तुमचे आरोग्य हे चिंतेचे कारण बनू शकेल. म्हणून त्याची विशेष काळजी घ्यावी. याशिवाय तुमची आर्थिक स्थितीही ढासळू शकते.

**इंद्र सेमी स्क्वेअर वरुण**

नेपच्यूनशी युरेनसचे सेमी स्क्वेअर स्वरूप असल्यामुळे काही वेळा तुम्ही विचलीत होऊ शकता. मद्यपान करण्याकडे वळण्याची शक्यता नाकारता येणार नाही. म्हणून पुरेशी काळजी घ्यावी. नेहमी आजारपणाने तुमचे आरोग्य ग्रासण्याची शक्यता आहे.



## भविष्यवाणी

### खास गुण

रचनात्मक कल्पना, अंतर्ज्ञानामुळे प्राप्त झालेली निसर्गदत्त शक्ती आणि कलात्मक अभ्यास इत्यादींसाठी जणू तुमच्या बुद्धिला आणि मनाला देणगी बहाल झालेली आहे. तुम्ही प्रेमळ स्वभावाचे आहात आणि तुमची आपुलकी, ममता ही आपल्याजागी निश्चल म्हणजेच कधीच ढळमळीत होणारी नाही. ज्ञानाच्या इंद्रियांना सुख देणाऱ्या गोष्टींवर तुमचे प्रेम आहे आणि वैभवशाली व आरामदायी जीवन जगण्याची तुमची प्रबळ इच्छा असावी. नाटक, संगीत शिल्पकला यात तुम्हाला यश मिळू शकेल. श्रीमंत स्त्रियांकडून तुम्हाला आश्रय मिळण्याची शक्यता आहे.

तुम्ही विविधतापूर्ण, लहरी आणि रसिक स्वभावाचे आहात त्याचबरोबर नवनवीन कल्पनांना जन्म देणारी शक्ती तुमच्या जवळ आहे. तसेच तुम्ही हळुवार भावनेला फार जपता. तुम्हाला रुचकर, स्वादिष्ट जेवायला फार आवडत असेल आणि तुमचा प्रवास यशस्वीरीत्या पार पाडू शकेल. तुमचा स्वभाव अत्यंत व्यवहारी आहे. संपत्तीची लाभप्राप्ती तुमच्यासाठी सहज सोपी बनणार आहे.

प्रेमप्रकरणात निराशा आल्यास गळून जाण्याची, कोलमडून पडण्याची शक्यता नाकारता येणार नाही. तुमच्या वैवाहिक जीवनात सुरुवातीच्या काही वर्षात घरगुती वातावरणामुळे अनिश्चित स्वरूपाचा त्रास उद्भवण्याची शक्यता आहे पण तुमच्या भावना आणि एकमेकांवर अवलंबून राहण्याची तसेच आपण गुलाम आहोत या भावनेने खटके उडतील पण जसजसे तुम्ही विचारांच्या दृष्टीने मोठे व्हाल तसतशी अनुभवाची शिदोरी तुमच्या पदरी जमा होईल आणि वैवाहिक जीवन यशस्वी होण्यासाठी आपोआपच मदत होईल.

### मानसिक गुण

तुम्ही करारी स्वभावाचे आहात. म्हणजे जे तुम्ही ठरवता ते करून दाखवता. पण त्याचवेळेला तुम्ही असा हट्टही धरता जो पूर्ण करण्याची खात्री तुम्हाला देता येत नाही, पण तरीही त्यावर तुम्ही कायम असता. तुमच्या मेहनती आणि सहनशील स्वभावामुळे श्रद्धेच्या बळावर शक्ती एकवटू शकता म्हणजे स्वतःकडे गोळा करू शकता. स्वतःच्या हक्कांविषयी तुम्ही जागरूक आहात पण त्याच वेळी तुम्ही चैनीही असावे.

### शारीरिक रचना

तुमच्या राशिफळाप्रमाणे तुमची मान आणि खांदे रूंद असावेत. कदाचित पुढे वाकून चालण्याची तुम्हाला सवय असावी. कमानीदार भुवया, आकर्षक ओठ, काळे डोळे, रूंद कपाळ आणि कुरळे केस अशी तुमची रचना असावी.

### आरोग्य

तुमच्या राशिचिन्हांचे तुमच्या डोक्यावर आणि चेहऱ्यावर प्रभाव आहे, त्याचप्रमाणे डोळे दुखी, ताप, मज्जातंतू वेदना, आणि डोळ्यांची समस्या इत्यादी विकार जडतील. चांगला विचार करण्याकडे तुमचा अधिक कल आहे पण त्याची परिणती छातीत जळजळणे आणि तणाव निर्माण होणे यात होते. यासाठी तुम्ही तणावग्रस्त परिस्थिती टाळली पाहिजे आणि शांत झाले पाहिजे टोमॅटो, कांदे, मोहरी, मिरी, लसुण, आले, कोथिंबीर इत्यादीचा आहारात समावेश करावा. तुमच्या पत्रिके अनुसार लग्नपतीवर शुक्राचा प्रभाव आहे. ज्याच्याने तुम्हाला सामान्य दृष्ट्या अशक्तपणा आणि उदासपणाची जाणीव होऊन तुम्हाला थकवा जाणवू शकतो.



तुमच्या पत्रिकेनुसार लग्नपतीवर नेपच्युन ग्रहाचा प्रभाव आहे. ज्याच्यामुळे प्राण्याच्या चावण्याने आणि किटक दंशाने तुम्ही त्रस्त होण्याची शक्यता आहे.

तुमच्या पत्रिकेत चंद्रावर कोणाचाही प्रभाव नाही त्यामुळे पर्यावरणामुळे आजारपण येण्याची शक्यता फारच कमी आहे. तुमच्या पत्रिकेत सूर्यावर शनीचा प्रभाव असल्याने सर्दी, पेशीत आकुंचन आणि अडथळा होणे, मलावरोध आणि सामान्य अशक्तपणा येण्याचीही शक्यता आहे. तुमच्या पत्रिकेनुसार धनू ह्या राशीवर मंगळ आणि शनीच्या प्रभावामुळे तुम्हाला शरीराच्या मांडी ह्या भागावर परिणाम होण्याचा शक्यता अधिक आहे.

### शिक्षा व जीविका

ग्रहमानाचे अनुकूल पाठबळ तुम्हाला लाभल्याने तुम्हाला बुद्धिमान आणि चतुर बनवण्यासाठी लाभकारक ठरणार आहे. तुमचे अभ्यासविषयक संपादन सफलतेचा उच्चांक गाठण्यासाठी मदत करेल. विश्वविद्यालयाची उच्च पदवी तुम्ही मिळवाल किंवा याच्याएवढ्या महत्वाच्या अभ्यासात तुम्ही डिप्लोमाही मिळवाल. तुम्ही शिक्षणा व्यतिरिक्त इतरही अभ्यास सुरुच ठेवा, असे काही तुमचे छंद असतील जे तुम्हाला प्रसिद्धी मिळवून देण्यात मदत करतील. तुमच्या कुटुंबासाठी तुम्ही एक गौरवशाली साधनरूप बनाव.

तुमच्या कुंडलीत ग्रहमानाची स्थिती असे दाखवते की तुमचा नैसर्गिक कल यंत्रशास्त्र (इंजिनिअरिंग) याकडे आहे. यंत्र सामुग्री आणि त्यांची विशिष्ट रचना कार्य यांच्या कार्य प्रक्रियेत तुम्ही भारावून जाऊन गुंताळ. यंत्र शास्त्राच्या कुठल्याही शाखेत तुम्ही उत्तम कामगिरी करून दाखवाल. मग ते यांत्रिक, वीजेसंबंधी, स्पर्धात्मक परीक्षा किंवा धातु शुद्ध करण्याचे शास्त्रही असू शकते.

तुमच्या पत्रिकेत ग्रहमानाच्या स्थितीनुसार तुमच्याकडे व्यापारी बनण्यासाठी लागणाऱ्या योग्यता उपजतच आहे. व्यापार आणि वाणिज्य या संबंधीचे डावपेच चटकन शिकाल. उत्पादनातील कार्यक्षमता आणि व्यापार या ठिकाणी तुम्ही भाग्य बनवू शकाल. व्यापारात नेहमी घडते ते म्हणजेच मंदी येणे किंवा व्यापार थंडावणे, अशासारख्या गोष्टी घडतील पण यावेळी तुमचा स्वतः वर ताबा असणे गरजेचे आहे. अशावेळी न खचता पुढे जाण्याचा प्रयत्न केला तर नक्कीच एक कार्यक्षम व्यापार करू शकाल.

### संपत्ति व वारसदार

कुटुंब वैभवाच्या मानाने वैभवाच्या मालकासाठी हेवा उत्पन्न व्हावा अशी अत्यंत योग्य स्थिती अगदी सहजपणे तुम्हाला मिळू शकते. तुमची भागिदारी ही यशस्वी असेल शिवाय ती शांततापूर्वक आणि कोणतेही भांडण न करता रडु करू शकाल. लोकांशी असलेल्या नातेसंबंधात तुम्ही महान व्यक्तिमत्व होऊ शकाल. कौटुंबिक वातावरणानुसार आनंदी वैवाहिक जीवन जगू शकाल आणि तुमचे मुल हे कुटुंबासाठी नेहमी एक गौरवपर आणि आनंद देणारे ठरेल.

तुमच्या पत्रिकेत धनाचा स्वामी हा सातव्या घरात जाऊन बसला आहे, ही स्थिती धनलाभासाठी एकदम अनुकूल असून त्यापासून मिळणाऱ्या नफ्यांना वर नेणारी अशी आहे. दूर अंतरावर असणाऱ्या प्रदेशात आणि बाहेर गावातील व्यापार तुम्हाला उत्तम यश मिळवून देईल. सामान्य व्यापार आणि वाणिज्य यात तुम्ही उत्तम कामगिरी करू शकाल. पण कधीतरी कंत्राटामुळे ही उत्तम लाभ होऊ शकतो. त्याच बरोबर तुम्ही सतत भागिदारी टाळण्याचा प्रयत्न करीत रहा आणि तुमच्या काही मित्रांपासून सतत सावध राहण्याचा प्रयत्न करा कदाचित ते तुमचे शत्रूही बनू शकतील.



तुमच्या पत्रिकेत अनुवंशिकतेचा स्वामी पंचमस्थानी आहे, जो तुमच्यासाठी चांगली स्थिती नाही. जरी वारसा हक्काने मिळणारी रक्कम पुरेशी असेल तरी अंदाजाने गुंतवणूक करणे किंवा नवीन धाडस दाखवणे यामुळे ती गमावण्याची शक्यता आहे. भागिदारीत केलेला व्यवसाय तुम्हाला पचणारा नसेल कारण पुढे जाऊन भांडणे होण्याची ही शक्यता आहे. तुमच्या पहिल्या मुलासाठी ही परिस्थिती चांगली होऊ शकत नाही.

### विवाह व वैवाहिक जीवन

तुमच्या पत्रिकेनुसार योग्य वयात तुमचा विवाह होण्याची शक्यता आहे. तुमच्या पत्रिकेत लग्नपती आणि सातवा स्वामी हे दोघे चौकोनात असल्याने तुमच्या खूप वेळा भावनिक विकोप आणि भांडणे होण्याची शक्यता आहे. परस्परांच्या स्वभावातील आणि मतांमधील अंतर तुमच्या भांडणाचे मूळ बनू शकेल. लग्न हे प्रणयाचे क्षेत्र नाही तर व्यवहार चातुर्य आहे, हे जेव्हा तुम्हाला समजेल तेव्हाच तुमचे नाते अधिक चांगल्यारीतीने जोपासू शकाल.

### प्रवास व भ्रमण

तुमच्या पत्रिकेतील ग्रह हे अस्थिर आणि समान चिन्हांच्या स्थानी आहेत. जन्मजातच तुम्ही भ्रमण करणारे असून तुमच्या आयुष्यात अनेक बदल घडण्याची शक्यता आहे. व्यवसायाच्या किंवा नोकरीच्या निमित्ताने प्रवास आणि दौरे यामुळे आनंद मिळण्याचा आणि नफा होण्याची शक्यता आहे. तुमच्या पत्रिकेतील बहुतेक ग्रह हे कोनात्मक घरात आणि अस्थिर चिन्हांत आहेत. व्यवसायाच्या निमित्ताने तुम्हाला वारंवार प्रवास करावा लागेल. शिवाय तुम्ही तुमच्या आवडत्या ठिकाणी आनंदमयी सहलीलाही जाऊ शकाल.

### शुभ रत्न

शुभरत्नांपैकी रूबी (माणिक किंवा चुनी) हे रत्न तुमच्यासाठी लाभकारक ठरू शकेल. ३ ते ५ रतींचा माणिक रत्न सोन्यांच्या अंगठीत मढवून रविवारच्या दिवशी उजव्या हाताच्या मंरगळीत घातल्यास ते लाभ देणारे ठरेल.

या ऐवजी कमी प्रतीचा माणिक म्हणजे सूर्यकान्ता मणी किंवा लोक अकीक जो सोन्याच्या किंवा तांब्याच्या अंगठीत मढवून घेऊ शकाल.

रत्नधारण करताना या मंत्राचे उच्चारण केल्यास अधिक शुभकारक होईल.

“ओम असत्येन राजसा वर्तमानो

निवेशायनमरितम मृत्युर चं

हिराण्यान सविता रत्नो देव

यति भुवन विपाश्यत्”

वर दिलेल्या रत्नांचे वजन हे प्रौढ पुरुषासाठी निर्धारित करून दिले आहे. स्त्रियांसाठी त्याचे परिमाण ३/४ ते ७/२ एवढे कमी होऊ शकते तर मुलांसाठी तेच वजन १/२ ते १/३ एवढे होऊ शकेल.



## ग्रहांच्या स्थितीचे फळ

### लग्न फळ

तुमचा लग्नपती सिंह आहे. लग्नपतीचा स्वामी सूर्य आहे. जो तुमच्या पत्रिकेत अत्यंत लाभकारक ग्रहाच्या स्वरूपात भ्रमण करेल. कोण आणि त्रिकोण या दोहोंचाही स्वामी असल्याने मंगळ तुमच्या पत्रिकेत योगकारक ग्रह ठरतो शिवाय तो लाभ देणारा ग्रहही आहे.

सिंह लग्नपतीत जन्माला आल्याच्या सौभाग्यामुळे जरी शारीरिक ष्ट्या वजनदार नसला तरी तुम्ही साहसी, देखणे, शूर असाल. स्वाभिमानाची तुम्हाला जाणीव असून सर्वसामान्यापेक्षा अत्यंत वर जाण्याची मनात तीव्र इच्छा असेल. तीव्र इच्छाशक्ती आणि खंबीरता असल्याने सारे लक्ष ध्येयाकडेच केंद्रित झालेले असेल. जीवनात एक विशिष्ट स्थान काबीज कराल. स्वातंत्र्य आणि आत्मसन्मान यांची खोलवर जाणीव असेल. तरी तुमच्या मनात इतर क्षेत्रातल्या उच्च पदस्थ व्यक्तींविषयी आदर असला तरी त्यांच्या हाताखाली किंवा मताप्रमाणे काम करणे आवडणार नाही पण तुमच्या स्वभावात याचा विपरीतपणाही असेल जे तुमच्या हाताखाली काम करतील त्यांना जास्त सूट देणार नाही. पण तरी तुमच्या मनात त्यांच्याविषयी दया असेल. वैयक्तिक विकासासाठी सतत कार्य करत रहाल. ज्यामुळे इतरांना तुमच्याकडे चुंबकाप्रमाणे आकर्षित करू शकाल. इतरांचा आपल्यावर विश्वास नसला तरी आपल्यावर अन्याय झाला आहे अशी भावना मनात न आणता सत्याशी नेहमी प्रामाणिक राहाल शिवाय तुमच्या कट्टर तत्वांमुळे नामांकित व्हाल.

### राशीमध्ये असलेल्या ग्रहांच्या स्थितीचे फळ

#### रवी

तुमच्या पत्रिकेत सूर्य हा मीन राशिचिन्हात स्थित आहे. जरी तुम्ही समाजासाठी अत्यंत पक्षपाती असाल, तरी इतरांसाठी निरुपद्रवी आणि सौम्य असाल. वरिष्ठांकडून सहकार्य आणि फायदा मिळवाल शिवाय अत्यंत श्रीमंत असाल. पण सुखाची तीव्र इच्छा असल्याने अत्यंत उधळेही बनाल. आयुष्याच्या काही काळात अचानक तीव्र ज्वर होऊ शकेल. मुले चिंतेचे कारण बनतील. वैवाहिक जोडीदारामुळे सन्मान होण्याची शक्यता आहे, जो तुमच्यासाठी आनंदाचे माध्यम घेऊन येईल. सासरवाडीतील लोक मदत करणारे असतील.

#### बुध

तुमच्या पत्रिकेत बुध, कुंभ राशिचिन्हात स्थित आहे. राशिस्वामी शनी अनुकूल नसेल तर, कदाचित वाईट सवयीच्या आहारी जाल, कर्जबाजारी व्हाल शिवाय तुमचे मित्रही कदाचित अडचणीचे कारण बनतील. कदाचित अत्यंत गरीब बनाल, उदास वाटेल आणि कदाचित दूरच्या ठिकाणी स्थलांतरही कराल. तरीही जर गुरु बुधाबरोबर संयोगात असेल किंवा त्याच्यावर प्रभाव असेल तर चांगल्यासाठी परिस्थिती सुधारू शकेल. ही तुम्हाला मोकळ्या मनाची, संशोधक व्यक्ती बनवते. अशी बुद्धिमान व्यक्ती जिचा कल गंभीर अभ्यासूकडे असेल. तुमच्या परोपकरी प्रवृत्ती मुळे आणि दुसऱ्यांना मदत करण्याच्या स्वभावामुळे, अनेक मार्गाने तुम्ही लक्षणीय बनाल शिवाय योग्य प्रकारे सन्माननीय बनाल.

#### शुक्र

तुमच्या पत्रिकेत शुक्र हा कुंभ राशिचिन्हात स्थित आहे हा तुम्हाला काहीसा शांत स्वभाव, मोकळा स्वभाव देतो निदर्य कृतीकडे कल करण्यास सतत तत्पर असाल. सामान्यतः मित्र आणि ओळखीच्या



लोकांत आदरणीय असाल. तरीही, जर शुक्र हा अपायकारक ग्रहांनी कलेशित असेल, कदाचित नैतिक कर्तव्यापासून दूर व्हाल, अप्रामाणिक बनाल. वाईट सवयींना ग्रस्त व्हाल शिवाय आरोग्य खालावल्याने त्रस्त व्हाल. जर शुक्र हा लाभकारक ग्रहां बरोबर अथवा त्यांच्या प्रभावात असेल तर मात्र तुम्ही अत्यंत अनंदी आणि भाग्यवान असाल.

### मंगळ

तुमच्या पत्रिकेत मंगळ हा वृषभ राशिचिन्हात स्थित आहे. ही अत्यंत चांगली स्थिती नाही. हा तुम्हाला अत्यंत हट्टी बनवतो. शिवाय स्वतःचा विचार करण्याचा स्वभावही देतो. सट्टेबाजी खेळण्याचे डोके तसेच स्वार्थी सवयि असेल. कदाचित तुम्ही वाचाळ असाल तसेच इतरांचे पैसे बळकावण्याकडे तुमचा कलही असेल आरोग्य चांगले राहणार नाही. तसेच आयुष्याच्या काही काळात तुमची स्थिती गमवाल. जर तुमचा लग्नपती तूळ असेल, तर मग कौटुंबिक वैभवाच्या बाबतीत भाग्यवान ठराल. जोडीदाराचे आरोग्य तुमच्या चिंतेचे कारण बनू शकेल तरीही मंगळ जर गुरु किंवा शुक्राशी संयोगात अथवा प्रभावात असेल तर मात्र परिस्थिती अतिशय सुधारू शकेल.

### गुरु

तुमच्या पत्रिकेत गुरु हा धनू राशिचिन्हात आहे. अत्यंत अनुकूल स्थिती आहे. हा तुम्हाला उंच, शरीर, मध्यम बांधा, बोलका चेहरा आणि भेदक डोळे बहाल करतो. मानवतावादी स्वभावाचे, थोर मनाचे आणि प्रेमळ प्रवृत्तीचे असाल. तुम्ही कर्तबगार असून नम्र आणि सभ्य वर्तनामुळे असंख्य लोकांची मैत्री जिंकाल. मैदानी खेळाची अतिशय आवड असून साहसी पराक्रम करण्याचाही छंद आहे. धार्मिक मनाचे असून एक आनंदी कौटुंबिक जीवन जगाल.

### शनी

तुमच्या पत्रिकेत शनी हा धनू राशीत आहे. ठराविक कालावधीसाठी कोदंड शनी आहे ही अनुकूल परिस्थिती आहे. लोभी नसाल तर अत्यंत परोपकारी प्रवृत्तीचे असाल. माफक प्रमाणात काटकसरी असून क्वचितच उधळे असता. पण कदाचित तुम्ही काहिसे शीघ्रकोपी असाल. जरी शत्रूसाठी क्षमाशील असला तरी तुमचा अपमान मात्र सहन करणार नाही. प्रत्येकाचे हित चिंतणारे असून अनेक मित्र मिळवाल. आव्हानात्मक स्थितीत तुमचा आक्रमक स्वभाव विजय ओढून आणेल.

### चंद्र

तुमच्या पत्रिकेत चंद्र वृषभ राशीत स्थित आहे. म्हणून तुमची जन्मरास (किंवा चंद्र लग्न) वृषभ आहे. स्त्रीलिंगी, फलदायी, सुसंस्कृत आणि स्थिर असणारी तुमची रास तुमच्या मनावर आणि इतर वैशिष्ट्यांवर नियंत्रण ठेवेल. शिवाय एका विशिष्ट मर्यादेपर्यंत तुमचा राशी स्वामी शुक्रही ठेवेल. तुमच्या पत्रिकेत वृषभ राशीतील चंद्र हा सामान्यतः अनेक मार्गाने लाभकारक आणि सौभाग्यशाली ठरणारा आहे. तरीही वात कफ आणि नातेवाईकांशी मतभेद इत्यादीचा त्रास होऊ शकेल. चांगल्या बाजूने विचार केला तर तुम्ही परदेशात किंवा दूरस्थ ठिकाणी स्थायिक व्हाल. शिवाय तेथे पदोन्नतीही होईल. चांगला लाभ होईल. किमती प्राप्ती कराल. प्रतिष्ठा मिळवाल शिवाय समाजात आदर होईल. विरुद्ध लिंगी व्यक्तींचा सहवास आवडेल पण ते तुम्हाला दडपणातही ठेवतील.

### राहू

तुमच्या पत्रिकेत राहू मिथून राशीत आहे. ही अनुकूल स्थिती असून तुम्ही अत्यंत बुद्धिमान चतुर आणि वादविवादात अजिंक्य असाल. कामात अगदी तत्पर असून स्वतःच्या दूरदर्शित्वाच्या शक्तीने आणि योजनेतील क्षमतेने इतरांना विस्मयचकित करण्यासही तुम्ही समर्थ आहात राहू पासून बुध जर केंद्र



स्थितीत एकवटलेला असेल तर शैक्षणिक प्राविण्य मिळवाल तसेच असंख्य प्रवासही कराल. जर राहू त्याच्या स्वतःच्या नक्षत्रात म्हणजे आर्द्रात स्थित असेल तर हा तुम्हाला दूरस्थ ठिकाणाहून तुमच्या स्वतःच्या प्रयत्नाने अकस्मात तुमच्यावर वैभवाचा वर्षाव करेल.

### केतू

तुमच्या पत्रिकेत केतू धनू राशीत आहे. ही अनुकूल स्थिती असून तुम्ही अत्यंत बुद्धिमान, हुशार असून वादविवादात अजिंक्य ठरणार आहात. कामात सदैव तत्परता दाखवणारे असून योजना आखण्याच्या क्षमता आणि दूरदर्शीत्वाची शक्ती यामुळे इतरांना विस्मयित करण्यास समर्थ असाल. केतूपासून बुध जर केंद्र स्थितीत असला तर शिक्षणात प्राविण्य मिळवाल शिवाय अनेक प्रवास घडतील. जर केतू त्याच्या स्वतःच्या मूल नक्षत्रात स्थित असेल तर दूरच्या ठिकाणी किंवा परदेशात तुमच्या परिश्रमामुळे केतू विपुल वैभव मिळवून देतो. जर केतू मुळ मध्ये असला तर परदेशी व्यापारातून अफाट लाभ होईल.

### इंद्र

तुमच्या पत्रिकेत युरेनेस मेष राशीत आहे. तुम्ही काहिसे बैचेन असाल पण काही असामान्य आणि अत्यंत अस्सल कल्पना असतील. लोक तुम्हाला काहीसे विक्षिप्त मानतील. जर युरेनेस नैसर्गिक लाभकारक ग्रहाशी संयोगात असेल किंवा त्यांच्या प्रभावाखाली असेल तर तुम्ही बुद्धिमान असाल शिवाय त्यामुळे तुमचे मोठ्या उत्साहाने स्वागतही होईल. पण जर नैसर्गिक अपायकारक ग्रहांशी जुळलेला असेल किंवा त्याच्या छायेत असेल तर तुम्ही विक्षिप्त असाल. सांगण्याचे तात्पर्य म्हणजे; जर दोन्ही प्रकारचा प्रभाव असला तर तुम्ही अद्वितीय आणि ज्याच्याबद्दल भविष्य करता येणार नाही असे वेगळे अस्तित्व असणारे बनाल.

### वरुण

तुमच्या पत्रिकेत नेपच्यून कुंभ राशीत आहे. जर शुक्र अनुकूल असला तर तुम्ही संगीत प्रेमी असाल शिवाय पियानो किंवा तंतुवाद्य जसे व्हाइलेन वाजवण्याची उत्तम क्षमता असेल. किंबहुना तुम्ही उत्तम रचनाकार किंवा वाद्यसमुहाचा संचालक बनाल. चांगल्या लोकांचा सहवास आवडेल. तुमच्याकडे घटनावृत्त सांगण्याच्या कलेवर प्रभुत्व असल्याने लोक ते ऐकण्यास सदैव उत्सुक असतील.

### रुद्र

तुमच्या पत्रिकेत प्लुटो धनू राशीत आहे. हा तुमच्यात एक विलक्षण स्वभाव काळजीपूर्ण निष्काळजीपणा बिंबवतो. आयुष्यातील चढउतारांत वेळ दवडाल. लाभकारक ग्रहांशी जर संयोगात असेल किंवा त्यांच्या प्रभावात असेल तर धर्म आणि तत्वज्ञान यांत बराचसा रस घेणारा बनवतो. पण जर अपायकारक ग्रहांशी संयोगात किंवा प्रभावात असेल तर हा गर्विष्ठ स्वभाव आणि जुगारी प्रवृत्ती तुमच्यात बिंबवतो.



## भाव फळ

### लग्नपती

तुमच्या पत्रिकेत लग्नाचा स्वामी अष्टम स्थानात विराजमान आहे जो आयुष्य दर्शवतो. वारस हक्काचा संबंध सुद्धा या स्थानाशी आहे. मुलींच्या पत्रिकेत हे स्थान विवाह सुखात यश संबोधते जर हे स्थान खराब असेल तर प्रतिकूल व अपमान, अडचणी, दुर्गंधता, प्रकरण, अयशस्वी जीवन या व इतर गोष्टींचा संबंध घडवून आणतो. पत्रिकेत इतर ग्रहबल अनुकूल नसेल तर वरील गोष्टींसदर्भात प्रतिकूलता दर्शवते. जर तुमचे लग्न मेष, तुळ व मीन असेल तर आठव्या स्थानाच्या गोष्टीं संदर्भात तुम्ही अनुकूल निकाल उपभोगाल. जर लग्नस्थानाचा स्वामी बलवान असेल तर वारस हक्क व आर्थिक क्षेत्राकडून कर्ज मिळण्यास अनुकूल भाग्य निर्माण होईल. अन्यथा नाही. मंगळ व केतूचा लग्न स्थानाच्या स्वामीशी योग करत असल्यास दुर्घटना व शत्रूभय दर्शवते. कायद्याच्या बाबतीत दक्षता घ्यावी लागेल. नैसर्गिक शुभ ग्रहांचा योग अनुकूल परिस्थिती देऊ शकतो.

### द्वितीय भाव

तुमच्या पत्रिकेत दुसरा स्वामी सातव्या घरात पडला आहे जे जोडीदाराचे स्थान आहे. शिवाय भागीदारीचे सुद्धा लग्नस्थानाशी संबंधात असल्याने आर्थिक सुबत्ता येण्यास फायदेशीर ठरेल. शारीरिक कष्टांच्या बाबतीत मारक भूमीका गाजवतो. शिवाय जोडीदाराचे शारीरिक स्वास्थ्य व सुलभता या बाबत प्रश्न निर्माण करतो. कुटुंबातल्या काही व्यक्तींचा विरोध दर्शवतो. सार्वजनिक संबंधात व विचारांची देवाण घेवाण करण्यात तुम्ही चमकू शकाल. परदेशी चलना संबंधीत लाभदायक ठराल. जोडीदाराच्या व भागीदाराच्या निवडीत तुम्ही दक्ष व्हायला पाहिजे. शुभ ग्रहांच्या योगात चांगले व वाईट (अशुभ) ग्रहांच्या योगात वाईट परिणाम/फलादेश जाणवतील.

### तृतीय भाव

तुमच्या पत्रिकेत तिसरा स्वामी सातव्या घरात आहे. ज्याला जोडीदाराचे स्थान म्हटले जाते. विरुद्ध लिंगाच्या व्यक्तींशी संबंधात येण्यात तुम्ही फार उत्सुक असाल जोडीदार तुमच्या जवळच्याच नात्यातला किंवा शेजारचा असेल. शुभ ग्रहांच्या योगात लहान भावंडा कडून पोषक मदत मिळेल. सातव्या घराचा स्वामी सुद्ध शुभाशुभ योगात असेल तर तुम्ही तुमच्या लहान भावा बरोबर किंवा जवळच्या सम वयस्का बरोबर भागीदारीत व्यापार कराल. शुभ ग्रह तिसऱ्या घरात असता छपाई खान्याचे मालक असाल. अशुभ ग्रहांच्या योगात फलात घट होईल. मकर लग्नात तिसरा स्वामी सातव्या घरात बलवान असतो व तिसऱ्या लग्न व अकराव्या स्थानाशी संबंधात येऊन श्रीमंती देतो.

### चतुर्थ भाव

तुमच्या पत्रिकेत चौथा स्वामी दहाव्या घरात पडला आहे ज्याला कर्मस्थान म्हणतात. चौथ्या घराच्या मिळकतीच्या लाभ क्षेत्रा बाबत तुम्ही लाभवान आहात, आई, शिक्षण, जमीन, स्वधन, वाहन, शेतकी व्यवसाय, खाण, इमारत या बाबतीत यांचे अनुकूलत्व पहायला मिळेल. चंद्र शुभ योगात असता आईला सूखसोर्यांचा लाभ होतो. बुधाच्या शुभयोगात उच्च शिक्षणा बाबत चांगली अनुकूलता मिळते. मंगळच्या शुभ योगात जमीन-जुमला बाबत चांगले फलादेश मिळतात. शनीच्या शुभ योगात खाण कामातून फायदा मिळेल. शुक्राच्या शुभ योगात वाहन आणि दळण-वळण या संबंधी चांगले फलादेश प्राप्त होतील. अशुभ ग्रहांच्या योगात फलां बाबत अनिश्चितता येईल.

### पंचम भाव





पाचवा स्वामी पाचव्या स्थानात पडला आहे ज्याला पूर्व पूण्याचे स्थान संबोधले जाते. ज्याच्या द्वारे तुम्ही तुमची पूर्व पूण्याई या जन्मात आणून पत्रिकेच्या फलादिकांबाबत अनुकूल परिणाम जाणवून घ्याल, समाजात तुम्हाला मानाचे स्थान मिळायला पत्रिका समर्थ बनते. धार्मीक वृत्ती वाढीस लावण्यास मदत करते शिवय चांगली कर्तबगार संतती निपजते. गुरु-बुधाच्या शुभ अवस्थेत शैक्षणिक उत्कर्ष घडून येतो. उच्चशिक्षण होते. दहावा स्वामी शुभ अवस्थेत नसता सुरवातीला काही व्यावसायिक बदल दिसून येतात. पाचव्या स्थानात मेष, सिंह व धनू राशी असताना आध्यात्मिक सद्गुण वाढील सांगतो. मिथून, तूळ व कुंभ राशी बौध्दीक दर्जा वाढवते. शुभ ग्रहयोग उलाढालीतून अर्थाजन करून देईल.

### षष्ठी भाव

तुमच्या पत्रिकेत सहावा स्वामी पंचम स्थानात आहे जो पूर्व पूण्याईचा कारक असतो. कन्या लग्नात सहावा स्वामी पाचवा सुद्धा मलक ठरतो आणि स्वराशीत असल्यामुळे पैशांची उलाढाल फायदेशीर बनवते. शिवय स्पर्धात्मक परिक्षांत यश मिळते. सहावा स्वामी, सहावे घर सुभ ग्रहांच्या योगात असेल तर शुभ फले निश्चित मिळतात. वृषभ लग्नात सहावा स्वामी नीच असतो शिवाय जर रवी, राहू, केतू योग घडत असेल तर शुभ फले मिळू देत नाही वृश्चिक लग्नात सहावा स्वामी, बाराव्या स्थानाचा सुद्धा मालकत्व गाजवतो व शारीरिक आजार आणतो.

### सप्तम भाव

सातवा स्वामी पाचव्या स्थानात आहे जो पूर्व पूण्याईचा संबंध दाखवतो. बरोबर आर्थिक उलाढालीचा संबंध सुद्धा दर्शवतो. सातवे स्थान शुभ योगात असता मोठ्या जवाबदाऱ्या स्वीकारून स्वतःच्या बळावर व्यवसाय उभारून त्यात भरभराट करून देतो. प्रेम प्रसंगातून विवाह होण्यास पोषक मनोच्छा दाखवते. मकर, वृश्चिक लग्नात सातवा स्वामी पंचमात उच्च असल्याने जोडीदार सुखवस्तू घराण्यातून येते. प्रेमळ व समंजस जोडीदार व मुलांचा लाभ घडतो. सातवा स्वामी शुभ योगात व शुक्रांशी योग करता असता फल निश्चित मिळते.

### अष्टम भाव

आठवा स्वामी पंचमात (पूर्व पूण्याच्या स्थानात) असताना आणी-बाणीची व दृर्देवी घटनांची आयुष्यावर सावट बनलेली असते. शुभ ग्रहांच्या युती परिस्थितीत सुधारणा जन्य बदल घडतो. कायमचे व्यंग आणण्या सारखे शारीरिक रोग होतात. पाचवा स्वामी शुभ योगात, पंचमेष शुभ युतीत असता होणारे अनपेक्षित अपघात टळतात. अन्यथा वाईट ग्रहयोग, युती परिस्थिती अजून बिकट बनवतात.

### नवम भाव

नवमेश दशम स्थानात असता महा भाग्य योगानुसार धर्म-कर्म योगाने भाग्यदायक व सर्वतोपरी अनुकूल ठरतो. वृश्चिक लग्नात लाभ दणदणीत मिळतो. लग्नेश व गुरुचा संबंध असता धार्मीकता वाढवते व चांगल्या कामात सहभाग घडतात. संतसंगती घडते. धार्मीक व दानधर्माच्या गोष्टीत सहभाग घडतो. चांगली काम करून शैक्षणिक, सांस्कृतिक, धार्मीक दर्जा वाढवून मान-सन्मान मिळतो.

### दशम भाव

दशमेश सप्तमात असता व्यवसायी दर्जा वाढवायला पुरेशी अनुकूलता देतो स्वतःच्या व्यवसायात व मोठ्या संस्थेतून लाभ घडवून आणतो. गुरु, शुक्र युती कायदे विषय यश, व्यवसाय घडवते. मेष लग्नात उच्च दशमेश किर्तीमान व्यवसायिक दर्जा सुधारतो. मिथून, धनू लग्नात महापुरुष योगाने सुखवस्तूपणा आणतो. जोडीदारी व भागीदारी शुभ फलदायी ठरते. मंगळ, राहु, रवी, शनि युती मोठे अधिकारपद देतो. शुभ ग्रहांची युती व्यवसायीक भरभराट देऊन माननीय स्थान देते.



### एकादशम भाव

अकरावा स्वामी सातव्या घरात असता उत्तम भाग्य वर्धक ठरतो. जोडीदारीच्या स्थानात अकरावास्वामी जोडीदारी व भागीदारीतून लाभ घडवून आणतो. शिवाय इतर गोष्टींतून सुलभ प्राप्ती करून देतो. पत्नीचा स्वभाव सुखभावीपणात मोडतो शिवाय सुखवस्तू घरातून येऊन व्यवहारिक लाभ घडवून आणतो. वाईट ग्रहांच्या यूतीत जोडीदाराला त्रासदायक ठरतो व व्यवहारिक सौख्य कमतरता आणतो. दुसऱ्या लग्नाचा विचार आणतो. अशुभ ग्रहांच्या यूत्या व्यवहारिक आयुष्यात घट आणतो.

### द्वादशम भाव

बारावा स्वामी दशमस्थानात असता व्यवसायचा दवाखाने, प्राधानिकरण, कोटडी, कापड उद्योग, जासुसी, शोध, टाकाऊ वस्तू या पासून लाभ घडवतो. मेष लग्नात बारावा स्वामी नवमेश असल्याने निर्बळ असल्याने व्यावसायिक दृष्ट्या पोषक ठरत नाही. सिंह लग्नात उच्च असल्याने व्यावसायिक भरभराट घडवून आणतो. दशमेश शुभ योगात असता औषधी शास्त्रात रस व यश देऊन त्याचा अभ्यासक घडवून सामाजिक व्यवहाराशी संबंध योग देतो. शनी शुभ योगात असता दूरस्थ शिक्षण योग देतो. रवी बुध शुभ योग ज्योतीष शास्त्रात रस व यश देतो.

### भावामध्ये ग्रहांच्या स्थितीचे फळ

#### रवी

आठव्या स्थानातला रवी क्रूर धैर्य देतो. अशुभ ग्रहाचा योग असता अशी क्रूर साहसी वृत्ती निश्चित दाखवतो. शनि, राहु योग वडीलांची प्रकृती ढासळवतो. कन्या लग्नात विपरीत राज योगानुसार वडिलोपार्जित धनाद्वारे श्रीमंती देतो. मकर लग्नात स्वराशीत बसलेला रवी श्रीमंत वडील लाभवतो. मीन लग्नात नीच राशीतला रवी शारीरिक त्रास, अपघात व सरकारी अधिकाऱ्यांशी वाद-विवाद घडवतो. शुक्र सुद्धा अशुभ असेल तर दीर्घ काळाच्या कोर्ट कचेरीच्या वाऱ्या घडवतो. आठव्या स्वामीशी संबंधीत रवी प्रकृती नाजूक ठेवतो. शनि, मंगळ युती प्रतिकूलता देतो.

#### बुध

बुध सातव्या घरात असता उच्च शिक्षण (शिक्षणात उन्नती व बौद्धिक कौशल्य उत्तम देतो.) मेष, कर्क, तूळ, मकर लग्नात उत्तम बौद्धिक क्षमता मिळते. गुरु, शुक्र शुभ योगात कायदे विषयक शिक्षणात रस व यश मिळते. शिवाय लग्न संस्था, धार्मिक संस्था यातून मुबलक लाभ दर्शवतो. धनू, मीन लग्नात पंचमहापुरुष योगानुसार शुभ फले मिळतात. कन्या लग्नात निर्बळ बुध बदलत्या कार्ये प्रणालीतून श्रीमंती आणून देतो. बुध, राहु, केंद्र योग शैक्षणिक उत्कर्ष करतो. अशावेळी तो गुरुच्या राशीत असता भरपूर विषयात यश मिळवून देतो.

#### शुक्र

सातव्या घरातला शुक्र जोडीदार आकर्षक व सुंदर देतो. कन्या लग्नात उच्च शुक्र ही फले देतो. मेष, वृश्चिक लग्नातला स्वराशीचा शुक्र पंच महापुरुष योगानुसार शुभ फलदायक ठरतो. जोडीदारी व भागीदारी लाभदायक ठरते. मीन लग्नात, नीच, निर्बळ शुक्र जर बुध शुभ योगात असता तरच या फलांकात लाभ दर्शक ठरतो. वाईट, अशुभ ग्रहांच्या युती सार्वजनिक व्यवहार, जोडीदारी, भागीदारी यात विशेष फलदायक ठरत नाही.



### मंगळ

दशमात मंगळ दिकबल योग घडवून जन्मजात भाग्य मिळवून देतो व्यवसायात भरभराट, उच्च दर्जा, चांगला अधिकार योग घडवून आणतो. सरकारी व अधिकारी मान सन्मान घडवतो. मेष, कर्क व कुंभ लग्नात शुभ मंगळ पंचमहा पुरुष योगाने शुभ फलदायी ठरतो तूळ लग्नात व्यवसायी बदल घडवतो. शुक्र, चंद्र शुभ यूती, शुभ योग व्यवसायीक भरभराट करवून आणतो. कर्तव्यदक्षता कार्य क्षमतेत वाढ, क्रियाशीलता इत्यादी गुण भरभराट आणून इष्ट मानसन्मान व दर्जा मिळवून देतो.

### गुरु

गुरु पंचमस्थानात असल्याने शुभ योग घडत असता भाग्यवान ठरता नवव्या, अकराव्या व लग्न गोष्टीच्या बाबत लाभ दायक ठरतो. मीन लग्नातला उच्च गुरु व सिंह, वृश्चिक राशीतला स्वराशीतला गुरु शुभ फले देण्यास समर्थ असतो. पूर्व पूण्याई मुळे तुम्ही याचा उपभोग घेण्यास समर्थ बनतात. नातवंडे, वडील, मुले या संबंधी चांगली फले मिळतील. धार्मिक वृत्तीमुळे धार्मिक यात्रांचा लाभ घ्याल परदेशी धार्मिक क्षेत्रांच्या लाभदायक यात्रा घडवाल. कन्या लग्न असता शनि, शुक्र व बुध शुभ अवस्थेत नसता शिक्षण व संतती बाबत शुभ फले मिळत नाहीत.

### शनी

शनि पंचम स्थानात अशुभ असतो. दर्जा, पैशांच्या उलाढाली, कलात्मक गोष्टी, प्रेम विवाह, संतती योग या बाबतीत शनि शुभयोगात, शुभ ग्रहांच्या दृष्टित असतानाच फलदायक ठरतो. मिथून लग्नात उच्च शनि व कन्या, तूळ लग्नात स्वराशीतला शनि पूर्व पूण्याईमुळे फलादेश वाढवण्यास कारक ठरतो. धनु लग्नातला नीच, नीर्बळी शनि बुध शुभयोग असताना नोकरीत दर्जा वाढवण्यास व चांगली संतती निपजण्यास लाभ दायक ठरतो.

### चंद्र

दशमात चंद्र सार्वजनिक क्षेत्रात सुखी, अनुकूल अनुभव घडवतो. व्यवसायात सार्वजनिक संबंध घडवून आणून भरभराट देतो. तूळ लग्नात औषधी संस्था व हॉटेल या संबंधीचा व्यवसाय घडवतो. सिंह लग्नात दवाखाने, प्राधानीकरण क्षेत्र व सुरक्षा क्षेत्र या संबंधी दर्जेदार नोकरीयोग घडवतो. कुंभ लग्नात चंद्र निर्बळ असता व्यवसायीक बदल घडवून आणतो. शुभ ग्रह, शुभ यूती परिणाम कारक बदल घडवते.

### राहू

अकराव्यात राहू भरपूर दृष्ट्या लाभ दर्शक ठरतो. अकरावा स्वामी, अकरावे घर शुभ अवस्थेत असता लाभातली अनिश्चितता काढून टाकतो. मंगळ, शनि योग असामान्य वर्तनातून, विचीत्र आचारातून श्रीमंती दायक ठरतो. रवी योग वडिलांकडून लाभ घडवतो. परंतू विषोत्तरी दशेत वडिलांना काळजी दायक योग दर्शवतो. चंद्र शुभ योगात आई कडून लाभ घडवतो. परंतू पुन्हा विषोत्तरी दशेत आईला काळजीदायक ठरतो. केतू योग माहीती तंत्रज्ञानातून लाभ घडवतो. परंतू गुरु शुभयोगात नसता, संतती बाबत चिंता दर्शवतो.

### केतू

केतू पंचमस्थानात असता तुम्ही भरपूर विषयात चांगले फल अनुभवाल. वृश्चिकेत केतू असताना शुभ असतो परंतू वृषभ राशीत तो प्रतिकूल ठरतो. पंचमेश शुभ अवस्थेत असता व शुक्र, गुरुचा शुभ योग घडत असता सूख वस्तूपणा आणतो. परंतू सामान्य शिक्षण व कौटुंबिक आयुष्य सुखावह घडून येत नाही. बुध शुभ अवस्थेत असता पंचमातला केतू तंत्रज्ञान विषयक व्यवसायात यश देतो. राहू वगळता



इतर वाईट ग्रहांचा योग घडता संतती निपजण्यात अडचणी दर्शवतो.

### इंद्र

नवमस्थानात युरेनस असता, तुम्हाला वेगळ्या अनुभवाची ओळख घडते काही माणसांशी सुसंवाद साधतांना अशा घटना घडतात की जे मानसिक शांतीला नुकसानदायक ठरतात. व वेडसर वृत्ती वाढवून ती तुम्ही काही व्यक्तीं वरती वापरतात. परदेशी जागा, व वैवाहिक सुख यात निराशा अनुभवायला मिळते कुंभ, मिथून, तूळ लग्नात गुरु, शुक्र शुभ योगात परिस्थितीत सुधारणा घडतात. बुध शुभ योगात अनेक विषयात रस उत्पन्न करतो. दशमेश शुभ असता ज्योतीष विषयक ज्ञानार्जन करून देतो. युरेनस अष्टमेशाशी योग करत असता पुराण कालीन वस्तूंचा नाद घडवून आणते.

### वरुण

सातव्या घरातला नेपच्यून अशुभ फलदायी ठरतो. कर्तव्यदक्षतेचा अभाव असल्याने व्यवहारीक आयुष्यात त्रुटी उत्पन्न होतात. शुक्र अशुभ, क्रूर ग्रहांच्या युतीत असता समाज घातक नातेसंबंधाने युक्त होऊन तुम्ही समाज विरोधक बनतात. अनैतिक वागणूकी पासून तुम्हाला स्वतःच्या मनावर ताबा घ्यावा लागेल अन्यथा जोडिदाराचा घात होऊ शकतो. अशुभ ग्रहांच्या युती दुर्देवी व दयनीय परिस्थिती जन्माला घालतात.

### रुद्र

प्लुटो पंचम स्थानात असल्यामुळे अपेक्षित घटनांना अनपेक्षित उत्तरे मिळतील. अनपेक्षित घटनांना तोंड द्यावे लागेल. पैशांची उलाढाल करून लाभाची अपेक्षा केली असता नुकसान दायक घटना घडून येतात. पाचवा स्वामी, पाचवे स्थान शुभ योगात असताना वाईट फले कमी मिळतील व परिस्थितीत सुधार होतील. तुम्ही शुभ योगात कलात्मक गुण उपजत करून त्या संबंधी पुरेसे यश संपादन कराल. नैसर्गिक अशुभ ग्रहांचा योग असता पर्वत रोहणाच्या वेळी उंचावरून पडण्याची भीती असते. शारीरिक व्यंत किंवा शस्त्र क्रिया घडू शकते.



## जन्म नक्षत्र फळ

### नक्षत्र फळ

जरी जन्मजातच तुम्हाला प्रेमळ आणि काळजी घेणारा स्वभाव लाभला असेल तरी कोणाच्या दबावाखाली तुम्हाला काम करायला आवडणार नाही. या विचित्र प्रवृत्ती मुळे मानसिक त्रास सोसावे लागण्याची शक्यता आहे. अनावश्यक भांडणे उकरून काढण्याची तुम्हाला आवड असेल. तुमच्या दिसण्यावरून तसेच प्रवृत्ती वरून तुम्ही उद्धट वाटता. त्यामुळे कौटुंबिक वातावरण आवाक्या बाहेर जाण्याची शक्यता आहे.

### शारीरिक रचना

एक आकर्षक चेहरा; मध्यम बांधा लाभला असेल तसेच वयाच्या सत्तावीसाव्या वर्षा पर्यंत तुम्ही खरोखरच सुंदर दिसाल. पण त्यानंतर मात्र काही अचानक घडलेल्या मानसिक घटना किंवा परिस्थितीतील बदल यामुळे तुमचे सौंदर्य कमी कमी होत जाईल.

### शिक्षा

जर काही चांगले संयोग तुमच्या पत्रिकेत असेल तर शिक्षणाची उच्च पातळी गाठण्याची शक्यता कमी आहे. तुमच्या शिक्षणा नुसार पहिले तर उत्पन्न मिळवण्यासाठी तुम्ही कनिष्ठ प्रतीचे काम कराल, किंबहुना मजूरीचे ही असेल. छोट्याशा कारखान्यातही काम करू शकाल.

### कौटुंबिक जीवन

तुमच्या नवऱ्या बरोबर सर्व प्रकारचा आराम तुम्ही उपभोगू शकणार नाही. जर चांगले संयोग तुमच्या पत्रिकेत नसेल तर, काहींच्या बाबतीत अपत्य सुख नसावे किंवा नवऱ्यापासून वेगळे होऊ शकतात. काहीं बाबतीत लग्न मोडण्याची शक्यता आहे. जर लग्न वेळेवर झाले नाही तर लग्न होण्यास खूपच विलंब होईल. नातेवाईकांशी प्रेमळ नाते टिकवू शकणार नाही कारण त्यांच्या समोर दबलेपणाची जाणीव तुमच्यात निर्माण होईल. स्वतःच्याच विश्वात मशगुल असाल. खास मित्रांशी ही असभ्यता पूर्ण वर्तन करण्याचा दिखावा कराल. अखेरीस जीवनात एककी होण्याची शक्यता आहे. जर तुमच्या राशीफळात मंगळ आणि गुरु वाईट स्थितीत असेल तर अपत्यहीनता किंवा अपत्यांपासून वेगळे होण्याची शक्यता आहे.

### आरोग्य

प्रकृतीची योग्य काळजी घ्यावी लागेल. अतिश्रमाने आणि मानसिक अशांती या मुळे प्रकृतीवर परिणाम होऊ शकेल. जर तुमच्या पत्रिकेत क्लेष असेल तर ग्रंथीचा क्षयरोग होऊ शकेल. स्त्री जात कानुसार एक मुलगी जेव्हा तारुण्यात येते तेव्हा, जर चंद्र संक्रमणाने किंवा लग्न पतीच्या कृतिका नक्षत्रात असल्याने ती भांडखोर व्यभिचारी, वांझ, गर्भपातही होण्याची शक्यता आहे शिवाय दुसऱ्यावर अवलंबूनही रहावे लागेल तसेच चांगल्या भाग्या पासून वंचित असाल.

### रवी — रेवती — चरण — 3

जेव्हा या घरात लग्नपतीही येतो शिवाय चंद्र चित्रा नक्षत्रात आणि शुक्र रोहिणित, वैवाहिक जीवनातील कटूपणा आणि असमाधान यांना तुम्हाला कदाचित सामोरे जावे लागेल.

### बुध — पूर्व भाद्रपद — चरण — 3



लग्नपतीही या घरात बुधाबरोबर असेल आजारपण कदाचित सोसावे लागेल. येथे असलेला बुध तुम्हाला गणितज्ञ, अभियंता आणि फलयोतिषकार बनवतो. तुमच्या पेक्षातुमची पत्नी अधिक बुद्धिमान असेल.

शुक्र — पूर्व भाद्रपद — चरण — 1

पालकांच्या अधिक जवळ असाल शिवाय उच्चशिक्षित असाल. ही स्थिती संशोधनपर कार्य आणि परदेशातील दौरा यासाठी मदत करेल. किंबहुना परदेशातही स्थायिक होऊ शकाल.

मंगळ — रोहिणी — चरण — 1

तुम्ही मधुर वाणीचे असून संगित वाद्यांत तुम्हाला अत्यंत आवड आहे. जहाजाच्या कारखान्याशी संबंधित तुमचा व्यवसाय असू शकेल. थकवा आणणाऱ्या ग्रंथी किंवा गालगुंड याने तुम्ही त्रस्त होण्याची शक्यता आहे.

गुरू — मूळ — चरण — 1

शैक्षणिक विभागात तुमची प्रमुख म्हणून नेमणूक होईल. कदाचित प्राध्यापकही बनाल. उच्च सदाचारी मार्गावर चालाल. प्रामाणिकपणे जीवन जगाल.

शनी — पूर्व आषाढ — चरण — 4

मंगळाबरोबर टाळता न येण्यासारख्या परिस्थितीमुळे तुमच्या शिक्षणात कदाचित अडथळा येऊ शकेल. कदाचित शासकीय कार्यालयात नोकरीला असाल. व्यवसायात असाल तर, प्रारंभीचे वर्ष कदाचित सत्व परीक्षेचे आणि यातनेचे असू शकतील. आयुष्याच्या मधल्या काळात स्थैर्यता मिळवाल. संधिवात किंवा पित्ताशयाचे विकार होण्याची शक्यता आहे.

चंद्र — कृत्तिका — चरण — 2

प्रभावकारी व्यक्तीमत्व असेल. शिवाय एक सन्माननीय स्थानापर्यंत पोहचाल. तुम्ही उच्चशिक्षित असून अत्यंत बुद्धिमान असाल. शिक्षित सामाजात तुमचा वावर असेल. कदाचित पित्ताचा त्रासही होऊ शकेल.

राहू — पुनर्वसू — चरण — 3

उत्तम स्मरणशक्ती आणि तीक्ष्ण बुद्धिमत्तेचे तुम्हाला वरदान लाभले असेल. तुम्ही थोरमनाचे, परोपकार करणारे आणि उपकार बुद्धीचे असाल. सहजपणे जे उपलब्ध होते त्यात तुम्ही समाधान अनुभवता. तुमचे कुटुंब आणि नातेवाईक यांच्यासाठी आस्थापूर्ण वेळ आणि लक्ष द्याल. हिशेब तपासणे (अकाऊंट) आर्थिक किंवा कायद्याचा विभाग इत्यादीसाठी सरकारी कार्यालयात प्रमुख म्हणून नेमणूक होण्याची शक्यता आहे. आरोग्याची काळजी तुम्हाला घ्यावी लागेल. शिवाय मारामारी आणि झोंबाझोंबी पासून दूर राहणेच हितावह ठरेल. शरीराच्या वरच्या भागाशी संबंधित विकार जडण्याची शक्यता आहे.

केतू — उत्तर आषाढ — चरण — 1

या घरातील केतूची स्थिती तुमच्या क्षेत्रात एका स्तरावर यशाच्या शिखरापर्यंत पोहचवेल तर दुसऱ्या स्तरावर खाली पाडेल.